संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-20 अंक- 294
पृष्ठ 8
रविवार
14 जुलाई 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- पोहे से बनाएं ३ टेस्टी डिशेस

विचार- सड़क हादसों की बढ़ती संख्या चिंता का सबब

खेल- सेमीफाइनल में युवराज सिंह...

मां के प्यार को इंग्लिश ट्रांसलेट नहीं कर सकती : सीजेआई

कहा- जज-वकील अंग्रेजी समझते हैं, लेकिन किसान नहीं, इसलिए बदलाव जरूरी

लखनऊ चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने शनिवार को लखनऊ में कहा कि मां के प्यार को इंग्लिश ट्रांसलेट नहीं कर सकती है। उन्होंने लोकल लैंग्वेज में कानून की शिक्षा दिए जाने पर जोर दिया।

सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा– इंग्लिश में 2 किसानों के बीच की बातचीत को सही तरीके से नहीं बता सकते हैं। स्थानीय भाषा में ताल और तलैया का मतलब यहीं आकर मुझे पता चला। जज–वकील तो अंग्रेजी समझते हैं, लेकिन भोजपुरी जानने वाला किसान नहीं समझता। इसलिए इसे बदलने की जरूरत है।

सीएम योगी ने की सीजेआई की तारीफ

सीएम योगी ने सीजेआई की तारीफ की। उन्होंने कहा, श्सुप्रीम कोर्ट जाने से पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट में उनका कार्यकाल स्मरणीय रहा। प्रदेश का हर व्यक्ति उसकी सराहना करता है। इस विश्वविद्यालय का सौभाग्य है कि तीसरी बार फिर न्यायमूर्ति डॉ. चंद्रचूड़ का सानिध्य मिल रहा है। न्याय समय पर मिले, इसकी सभी को जरूरत है। सीएम ने कहा, श्भारत की विधि के शासन के लिए ही दुनियाभर में पहचान है। पुरानी कहावत है कि परिवार के हित में व्यक्ति को छोड़ना पड़े तो परवाह नहीं करनी चाहिए। ऐसे ही राष्ट्र के हित में कुछ छोड़ना हो तो उसे छोड़ने में कतई परहेज नहीं करना चाहिए। सुशासन की पहली शर्त है– विधि का शासन...।

उन्होंने कहा कि वकील भी हिंदी में बेहतरीन तरीके से पक्ष रखते हैं। मैं ये नहीं कह रहा हूं कि कानूनी शिक्षा से अंग्रेजी को हटा देना चाहिए, लेकिन स्थानीय भाषा में भी कानून की शिक्षा दी जानी चाहिए।

जस्टिस चंद्रचूड़ डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे। इस दौरान सीएम योगी और सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस विक्रम नाथ और हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस अरुण भंसाली भी मौजूद रहे। समारोह में 132 मेधावी स्टूडेंट्स को सम्मानित किया गया।

हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस बोले- बदलाव के लिए तैयार रहें

इलाहाबाद हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस अरुण भंसाली ने कहा– सभी मेडलिस्ट और उपाधि पाने वाले स्टूडेंट्स को बहुत बधाई। भगवद गीता का ये श्लोक आपको जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता रहेगा। कर्मण्ये वाधिकारस्ते मां फलेषु कदाचन...। इन्फॉर्मेशन बदलाव के इस दौर में आप सभी को इसके लिए तैयार रहना होगा।

सीजेआई बोले– छात्र को खसरा–खतौनी की जानकारी नहीं तो मदद कैसे करेगा : मैं सोचता हूं कि आरएमएलएनएलयू को हिंदी में जरूर एलएलबी कोर्स कराना चाहिए। अगर छात्र को खसरा और खतौनी की जानकारी नहीं, तो वो कैसे लोगों की मदद करेगा। बॉम्बे हाईकोर्ट से जब मैं इलाहाबाद हाईकोर्ट आया, तब मुझे पता चला यहां के वकील हिंदी में बेहतरीन तरीके से पक्ष रख लेते हैं। हमारी कोशिश है कि न्याय प्रक्रिया को आम लोगों के लिए और आसान बनाएं।

उन्नाव बस हादसे पर सीएम योगी सख्त

डग्गामार और बिना परमिट के चलती मिलीं बसें तो नपेंगे बड़े अफसर

लखनऊ, एजेंसी। उन्नाव बस हादसे को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त रुख अख्तियार किया है। परिवहन विभाग के अधिकारियों को सीएम योगी ने दो टूक निर्देश दिये हैं कि भविष्य में प्रदेश की सड़कों पर डग्गामार या बिना परमिट कोई बस चलती मिली तो संबंधित अधिकारियों की खैर नहीं। अपने सरकारी आवास पर एक अति महत्वपूर्ण बैठक के दौरान परिवहन विभाग के अधिकारियों को सीएम ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि प्रदेश में चल रही सभी यात्री बसों और स्कूल बसों का परमिट, फिटनेस, इंश्योरेंस और ड्राइवरों की गहनता से जांच की जाए। वहीं मुख्यमंत्री के कड़े रुख के बाद परिवहन विभाग ने पूरे प्रदेश में एक माह तक डग्गामार और बिना परमिट वाले वाहनों के खिलाफ सघन चेकिंग अभियान के निर्देश जारी कर दिये हैं।

डग्गामार वाहनों को सड़क पर आने से पहले ही रोकें

मुख्यमंत्री ने प्रमुख सचिव परिवहन को निर्देशित करते हुए कहा कि आखिर डग्गामार और बिना परमिट वाली बसें सड़कों पर कैसे बेरोकटोक घूम रही हैं। ऐसी बसों के खिलाफ पूरी सख्ती के साथ अभियान चलाएं और इनके मालिकों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाए। सीएम योगी ने स्पष्ट तौर पर निर्देशित करते हुए कहा है कि जहां भी इस प्रकार की बसों का संचालन हो रहा है, वहां के परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

एक माह तक चलेगा सघन अभियान

मुख्यमंत्री के कड़े रुख के बाद परिवहन विभाग के आयुक्त चंद्रभूषण सिंह ने प्रदेश के सभी उप परिवहन आयुक्त (परिक्षेत्र), सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासनध्प्रवर्तन), सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासनध्प्रवर्तन) को निर्देश दिए हैं कि एक माह तक अनवरत रूप से सड़क अभियान चलाया जाए। इस दौरान यात्री बसों के साथ ही स्कूली वाहनों की भी चेकिंग की जाए। उन्होंने इसके लिए प्रदेश के विभिन्न टोल प्लाजा पर संभागीय परिवहन अधिकारियों की तिथिवार ड्यूटी लगा दी है साथ ही निर्देश दिये हैं निर्धारित तिथियों में प्रत्येक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) सम्बन्धित टोल प्लाजा पर स्वयं उपस्थित होकर सम्भाग के समस्त प्रवर्तन अधिकारियों के साथ इन्फोर्समेंट की कार्रवाई करेंगे। चिन्हित स्थानों पर एक–एक इण्टरसेप्टर तैनात की जाएगी। इस दौरान की जाने वाली कार्रवाई की जानकारी और फोटो विभाग के व्हाट्सएप ग्रुप में प्रेषित की जाएगी।

भाजपा नेता को बदमाशों ने मारी गोली

जालौन एजेंसी। उत्तर प्रदेश के जनपद जालौन में भाजपा नेता और विश्व हिंदू परिषद के पूर्व जिला अध्यक्ष भास्कर अवस्थी को बाइक सवार बदमाशों ने घर के पास गोली मार दी है। बाइक सवार बदमाशों ने शुक्रवार देर शाम इस घटना को अंजाम दिया । गोली लगने से घायल हुए भाजपा नेता को स्थानीय स्थानीय लोगों की मदद से पत्नी ने इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराई। जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने कानपुर रेफर कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस अधीक्षक डॉक्टर ईरज राजा फोर्स के साथ मेडिकल कॉलेज पहुंचे और घटना की जानकारी ली। एसपी ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी के लिए 3 टीमें गठित कर दी। घटना उरई कोतवाली के अंबेडकर चौराहे से बंबी रोड जाने वाले जल निगम के पास की है। उरई शहर के मोहल्ला राजेंद्र नगर के रहने वाले भाजपा नेता अवस्थी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर, विश्व हिंदू परिषद के पूर्व जिलाध्यक्ष भास्कर अवस्थी अपनी पत्नी साधना अवस्थी के साथ स्कूटी से बाजार से घर लौट रहे थे। वह अपने घर से चंद कदम दूर जल निगम के कार्यालय के पास पहुंचे तभी बाइक सवार अज्ञात बदमाश उनके सामने आ गये और उसने तमंचा निकालकर सीधे भास्कर को गोली मार दी। जो उनके कंधे पर लगी, जबकि पत्नी बाल बाल बच गई। गोली की आवाज सुनकर घनी बस्ती में रहने वाले लोग दहशत में आ गए। वारदात के बाद बाइक सवार मौके से फरार हो गया। मोहल्ले के लोग घायल भास्कर अवस्थी को उठाकर मेडिकल कॉलेज लेकर गए।

सीमाओं के निकट के गावों को जीवंत, बनाने के कार्यक्रम की शाह ने की समीक्षा

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने सीमाओं पर बसे गावों को विकसित और जीवंत बनाने के कार्यक्रम– "वायब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम" की प्रगति की शनिवार को यहां एक उच्चस्तरीय बैठक में समीक्षा की और इन गावों में रोजी रोजगार के अवसर ज्यादा से ज्यादा बढ़ा कर ऐसे गावों से पलायन रोकने की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक को संबोधित करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत सरकार देश के सीमांत गांवों के चहुँमुखी विकास के प्रति कटिबद्ध है। शाह ने कहा कि यह कार्यक्रम सीमांत गांवों से पलायन रोकने के लिए स्थानीय निवासियों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने और गावों के साथ संपर्क बढ़ाने की आवश्यकताओं को ध्यान में रख कर चलाया जा रहा है। बैठक में केन्द्रीय गृह सचिव, सचिव, सीमा प्रबंधन और महानिदेशक, भारत तिब्बत सीमा पुलिस सहित गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मोदी सरकार ने "वायब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम" पिछले वर्ष 14 फरवरी को 4800 करोड़ रूपए के आवंटन के साथ इस महत्वपूर्ण और महत्वाकांक्षी योजना की शुरूआत की थी।इसके तहत 136 सीमांत गांवों को 2420 करोड़ रुपये की लागत से 113 बाहरमासी सुगम सड़क परियोजनाओं के माध्यम से संपर्क प्रदान किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत आने वाले सभी गांवों को इस वर्ष के अंत तक 4 जी नेटवर्क से कवर कर लिया जाएगा। इन सभी गांवों में वित्तीय समावेशन के कदम उठाए गए हैं और भारत पोस्ट–पेमेंट बैंकों(आईपीपीबी) की सुविधा भी दी जा रही हैं ।

उपचुनाव में नतीजों से कांग्रेस गदगद

ये देश के बदलते राजनीतिक माहौल को दर्शाते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया ब्लॉक, जिसने लोकसभा चुनावों में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को कड़ी चुनौती दी थी, सात राज्यों में 13 सीटों पर विधानसभा उपचुनावों में जीत हासिल करने में काबयाब रही। विपक्षी मोर्चे ने 10 सीटें जीत ली हैं या बढ़त बनाई हुई है। इस बीच, भगवा पार्टी ने दो सीटें हासिल कर ली हैं, जबकि शेष एक सीट निर्दलीय के खाते में गई है। 10 जुलाई को पश्चिम बंगाल की चार, हिमाचल प्रदेश की तीन, उत्तराखंड की दो और पंजाब, मध्य प्रदेश, बिहार और तमिलनाडु की एक–एक सीट पर उपचुनाव हुए थे। उपचुनाव के नतीजों पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि ये एक ट्रेंड है जो लोकसभा चुनाव से शुरू हुआ और आगे बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा आने वाले सभी चुनाव हारती रहेगी।श हमारे लिए यह चलन 2014 में शुरू हुआ जिसके बाद हम कई चुनाव हारे और अब बीजेपी भी उसी दौर से गुजरेगी।

पूर्व सीएम महबूबा का दावा–शहीद दिवस पर नजरबंद किया

गेट पर लगे ताले की तस्वीर शेयर की, उमर बोले- प्रशासन की ज्यादती का आखिरी साल

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती ने शहीद दिवस के दिन उन्हें घर में नजरबंद किए जाने का दावा किया है। महबूबा ने इस बात की जानकारी सोशल मीडिया पर अपने घर के गेट पर लगे ताले की तस्वीर शेयर की। उनका कहना है उन्हें खिंबर में उनके घर पर नजरबंद किया गया है। महबूबा के अलावा, नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी शहीद दिवस मनाने पर लगी रोक को प्रशासन की ज्यादती बताया है।

सरकार हमारे इतिहास को मिटाना चाहती है – महबूबा

महबूबा मुफ्ती ने तस्वीर के साथ लिखा मेरे घर के दरवाजे एक बार फिर से बंद कर दिए गए। मुझे सत्तावाद, उत्पीड़न और अन्याय के खिलाफ कश्मीर के विरोध का प्रतीक मानी जाने वाली मजार–ए–शुहादा जाने से रोक दिया गया। उन्होंने ने लिखा हमारे शहीदों का बलिदान इस बात का सबूत है कि कश्मीरियों की भावनाओं को कुचला नहीं जा सकता। इस दिन शहीद हुए प्रदर्शनकारियों की याद में शहीद दिवस मनाना भी अपराध घोषित कर दिया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने लिखा 5 अगस्त, 2019 को जम्मू–कश्मीर दो हिस्सों में बांटकर खंडित कर दिया गया। वह सब कुछ छीन लिया गया जो हमारे लिए पवित्र था। वे हमारे इतिहास को मिटाना चाहते हैं। लेकिन इस तरह के हमले हमारे अधिकार और सम्मान की लड़ाई जारी रखने के संकल्प को मजबूत करेंगे।

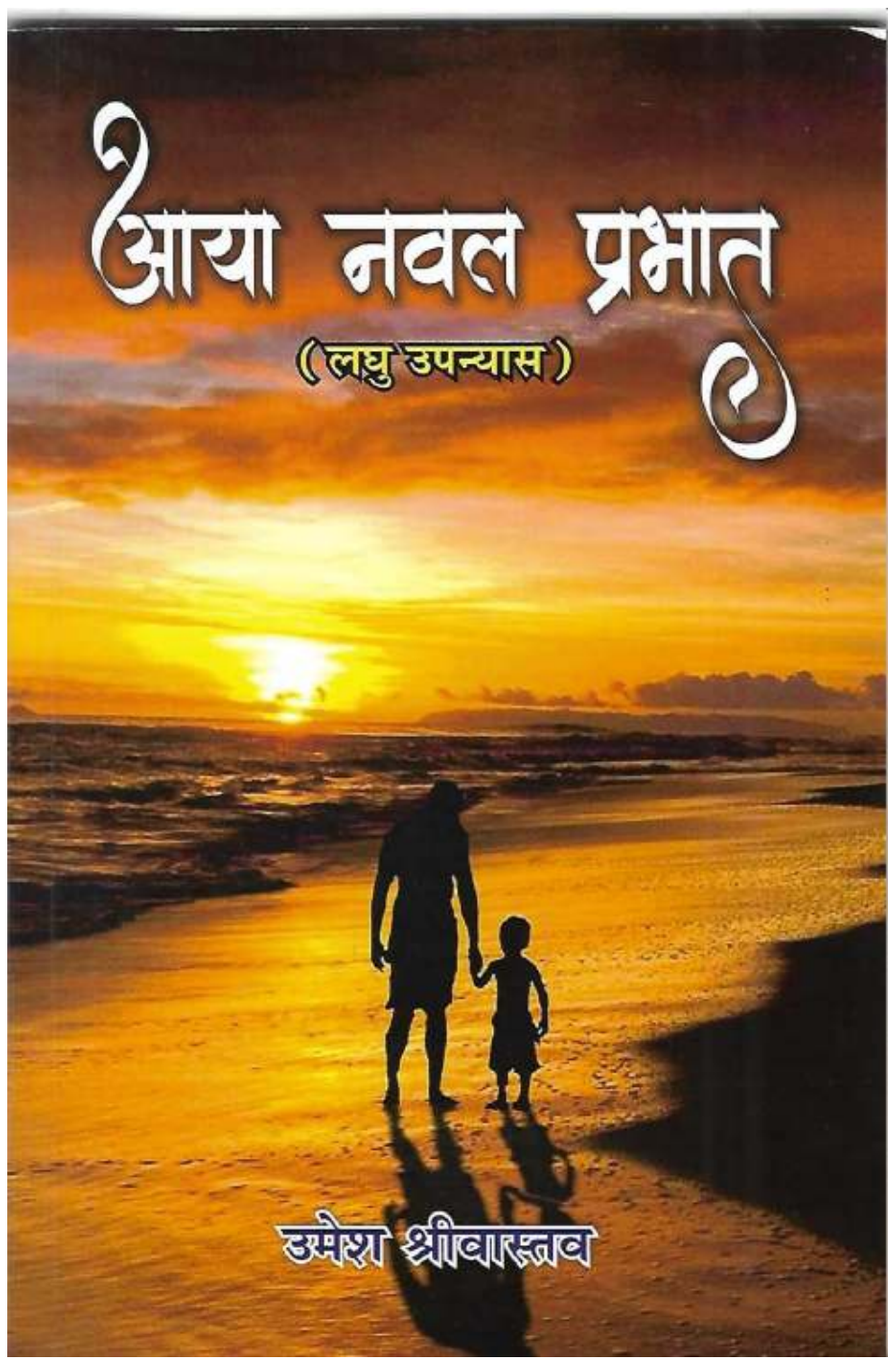

संसद की तर्ज पर हुआ बेटियों का शपथ ग्रहण

प्रयागराज के सेंट जोसेफ गर्ल्स की छात्रा जय भावना हेड गर्ल, रितिका बनीं वाइस हेड गर्ल

प्रयागराज। प्रयागराज के सेंट जोसेफ गर्ल्स कॉलेज में आज शनिवार को शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। यह शपथ ग्रहण समारोह संसद की तर्ज पर आयोजित हुआ। यहां छात्रा जय भावना पाल ने हेड गर्ल व रितिका शर्मा ने वाइस हेड गर्ल के

रूप में शपथ ली। इस क्रम में नवनिर्वाचित सदस्यों में स्पोर्ट्स कैप्टन वंशिका आर्या व वॉइस स्पोर्ट्स कैप्टन मेरा खान, रेड हाउस कैप्टन सानिया फारुकी व वाइस कैप्टन वैभवी, येलो हाउस कैप्टन कृतिका कुशवाहा व वाइस कैप्टन तेजस्वी केसरवानी, ग्रीन हाउस कैप्टन कीर्ति गुप्ता व वाइस कैप्टन नंदिनी, ब्लू हाउस कैप्टन श्रावणी श्रीवास्तव व वाइस कैप्टन सर हयात अंसारी बनी। इसके अतिरिक्त सफाई अनुशासन तथा सांस्कृतिक विभागों के कैप्टन और मंत्री भी चुने गए। सभी ने पूरी निष्ठा से कार्य करने की शपथ ली।

बैज पहनाकर व ध्वज देकर सौंपी गई जिम्मेदारी

मुख्य अतिथि के पद पर इलाहाबाद कैथोलिक डायसिस के बिशप लुई मस्करनहस रहे। रेवरेन फादर ज्वायल, सिस्टर ज्योतिका तथा विद्यालय के प्रबंधक रेवरेन फादर वैलेरियन डिसूजा भी अवसर पर सभी की अगुवाई में उपस्थित थे। सभी नवनिर्वाचित कैबिनेट सदस्यों को प्रधानाचार्या सिस्टर ग्रेटा ने बैज पहनाए, प्रबंधक फादर डिसूजा ने शैस पहनाया और मुख्य अतिथि बिशप लुई ने उन्हें कार्यभार के रूप में ध्वज प्रदान कियाा।

सर्वोच्च स्थान पाने वाली तीन छात्राएं सम्मानित

इस अवसर पर आईसीएसई की परीक्षा में सर्वोच्च स्थान पाने वाली प्रथम तीन छात्राओं शुभ्रा पाठक, प्रेक्षा सिंह तथा रिद्धिमा रावल को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। कक्षा 10वीं में उतीर्ण दृष्टि बाधित छात्रा एकता को भी सम्मानित किया गया। जिसका पुरस्कार उसकी अनुपस्थिति में सिस्टर ज्योतिका ने ग्रहण किया।

एसएससी जेई भर्ती के बढ़ गए 797 पद, भर्ती विज्ञापन आने पर घोषित किए गए थे 968 पद

प्रयागराज। कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) की ओर से आयोजित जूनियर इंजीनियर (जेई) भर्ती– 2024 की पहली परीक्षा होने के बाद पदों की संख्या 797 बढ़ गई है। अब कुल पद 1765 हो गए हैं। इससे अभ्यर्थियों को केंद्र सरकार के विभागों में नौकरी पाने का अवसर बढ़ेगा। अगले महीने इसका परिणाम रिक्त पदों के सापेक्ष जारी हो सकता है। उसके बाद द्वितीय परीक्षा कराई जाएगी। एसएससी ने जेई भर्ती का विज्ञापन 28 मार्च 2024 को जारी किया था, तब रिक्त पदों की संख्या 968 घोषित की गई थी। इन पदों के सापेक्ष देशभर के 4,83,557 अभ्यर्थियों ने आवेदन

किया था। उसमें से सबसे अधिक यूपी और बिहार के 1,27,171 आवेदन आए थे। जेई के पदों पर चयन के लिए दो परीक्षाएं कराई जाती हैं। इसकी पहली परीक्षा पांच, छह और सात जून को कराई जा चुकी है। उसके लिए यूपी और बिहार के 16 शहरों में 56 केंद्र बनाए गए थे। तीन दिन तक चली परीक्षा में 62.81 प्रतिशत अभ्यर्थी शामिल हुए थे। यह भर्ती मैकेनिकल, सिविल और इलेक्ट्रिकल में डिप्लोमा वाले अभ्यर्थियों के लिए है। इसकी पहली परीक्षा में सफल होने वाले अभ्यर्थियों की दूसरी परीक्षा भी ऑनलाइन होगी। उसमें सिविल, मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल डिवीजन के प्रश्न होंगे। यह प्रश्न पत्र दो घंटे का होगा और 100 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न तीन अंक का होगा।

इन विभागों में मिलेगी तैनाती : दूसरी परीक्षा में सफल होने वालों को बार्डर रोड आर्गनाइजेशन (बीआरओ), सेंट्रल वाटर कमीशन (सीडब्ल्यूसी) , सेंट्रल पब्लिक वर्क्स कमीशन (सीपीडब्ल्यूडी) , सेंट्रल वाटर पॉवर रिसर्च स्टेशन, मिनिस्ट्री आफ डिफेंस, जल शक्ति मंत्रालय, मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस (एमईएस) और नेशनल टेक्निकल रिसर्च आर्गनाइजेशन में नौकरी मिलेगी। इस बार सबसे अधिक बीआरओ में 475 पद हैं।

एडगर दान पर प्रिंसिपल ने दर्ज कराया एक और केस, मुकदमा वापसी के लिए धमकी देने का आरोप

प्रयागराज। बिशप जॉनसन गर्ल्स स्कूल की पूर्व प्रधानाचार्य ने बिशप मॉरिस एडगर दान समेत छह पर छेड़छाड़ व अन्य आरोपों में केस दर्ज कराया है। आरोप है कि पूर्व में दर्ज मुकदमे में सुलह के लिए उन्हें धमकाया जा रहा है। साथ ही आरोपी उनके घर के इर्द–गिर्द मंडरा रहे हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पूर्व प्रिंसिपल ने तहरीर में लिखा है कि वह बिशप जॉनसन गर्ल्स स्कूल कॉलेज की प्रधानाचार्य हैं। विद्यालय में प्रबंधकीय विवाद है, जिस वजह से दो जुलाई को मॉरिस एडगर दान, एलन दान, अभिषेक बाराट, आरची तिमुथी व बहुत से अन्य लोगों ने विद्यालय में जबरन घुसकर उनके कार्यालय का ताला व दरवाजा तोड़कर लड़ाई–झगड़ा करते हुए अश्लील हरकत करने लगे। धक्का मारते हुए कार्यालय से बाहर धकेल दिया। इस बाबत उन्होंने उसी दिन कर्नलगंज में रिपोर्ट दर्ज कराई। आरोप लगाया कि मुकदमा दर्ज हो जाने के बाद से ही मॉरिस एडगर दान, एलन दान, अभिषेक बाराट, आरची तिमुथी, अभिषेक व्यास, आरके सिंह व उनके कुछ अज्ञात साथी सुलह समझौता के लिए दबाब बना रहे हैं। न मानने पर अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहने के लिए धमकी दे रहे हैं। उनका व उनके परिवार का लगातार पीछा कर रहे हैं। उनके मकान के इर्द–गिर्द घूम–घूमकर धमका रहे हैं। एलन दान व आरके सिंह नैनी स्थित शुआट्स में कार्यरत हैं। आरोप यह भी है कि थाना पुलिस इनसे मिली हुई है। कर्नलगंज प्रभारी प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर पर केस दर्ज कर लिया गया है।

7 हजार से ज्यादा वकीलों के वेरिफिकेशन पर रोक

प्रयागराज में 2052, लखनऊ में 2897 वकीलों ने दिए अधूरे डाक्यूमेंट्स, कमेटी कर रही जांच

प्रयागराज। यूपी बार काउंसिल की ओर से प्रदेश भर के उन वकीलों की सूची जारी कर दी गई है जिनका वेरिफिकेशन नहीं हुआ है। पांच सालों में होने वाले वेरिफिकेशन के लिए बड़ी संख्या में वकीलों ने अपने अधूरे डॉक्यूमेंट तो जमा किए लेकिन बड़ी संख्या में वो भी वकील हैं जिन्होंने कोई भी डॉक्यूमेंट नहीं जमा किए हैं। लखनऊ व प्रयागराज में सबसे ज्यादा वकील हैं जिनके वेरिफिकेशन नहीं हो पाए हैं। लखनऊ के 2897 व प्रयागराज के 2052 वकीलों के वेरीफिकेशन नहीं हो सके हैं।

नहीं चलेगा फर्जीवाड़ा, कमेटी कर रही जांच

दरअसल, पूरे प्रदेश में प्रैक्टिस कर रहे वकीलों को हर 5 साल में अपना वेरिफिकेशन कराना होता है। इसके लिए वकालतनामा के साथ–साथ सभी डाक्यूमेंट्स प्रयागराज स्थित यूपी बार काउंसिल के मुख्यालय में जमा करना होता है। इस बार वेरिफिकेशन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। बड़ी संख्या में वकीलों का वेरिफिकेशन रोक दिया गया है। जिन वकीलों ने यह डाक्यमेंट्स नहीं जमा किए हैं उनका नाम बार काउंसिल से हटा दिया जाएगा। इस बार वेरीफिकेशन के तीन सदस्यीय टीम बनाई गई है जिसमें रिटायर्ड जज भी शामिल हैं। इसमें बारीकी से जांच पड़ताल की जा रही है।

जौनपुर कलेक्ट्रेट बार अध्यक्ष के वेरिफिकेशन पर रोक

जौनपुर के कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज कुमार मिश्र का वेरिफिकेशन रूक गया है। दरअसल, बार अध्यक्ष मनोज कुमार मिश्र ने वेरिफिकेशन के लिए सारे डाक्यूमेंट्स तो दे दिए लेकिन 12वीं की मार्कशीट नहीं दिए। कई बार सूचना दी गई लेकिन वह मार्कशीट नहीं उपलब्ध करा सके। यूपी बार काउंसिल की ओर से जारी सूची में जिन वकीलों के नाम उसमें कुछ ने कोई भी डाक्यूमेंट नहीं जमा किया है तो कुछ लोगों ने 10वीं, 12वीं या एलएलबी की मार्कशीट नहीं दी है। दरअसल, इस वेरिफिकेशन में उन वकीलों पर भी ग्रहण मंडराने लगा है जो फर्जी डाक्यूमेंट्स के आधार पर प्रैक्टिस कर रहे हैं। जांच कमेटी 10वीं और 12वीं की मार्कशीट की विशेष जांच कर रही है।

प्रयागराज में प्रधानाचार्य भर्ती में खेल, एफआईआर

पीसीएस 2021 में जीआईसी प्रिंसिपल पद के आवेदन का मामला, अनुभव प्रमाण पत्र मिले फर्जी

प्रयागराज। प्रयागराज में पुलिस भर्ती, आरओ–एआरओ भर्ती परीक्षा में खेल के खुलासे के बाद अब प्रधानाचार्य पद की भर्ती के मामले में फर्जीवाड़े का मामला सामने आया गया। पीसीएस 2021 के तहत राजकीय इंटर कॉलेजों में प्रधानाचार्य पद की भर्ती के लिए चयनित 2 अभ्यर्थियों के अनुभव प्रमाण पत्र फर्जी मिले हैं। यह मामला पकड़ में आने के बाद आयोग के अनुभाग अधिकारी अजय कुमार सिंह ने सिविल लाइंस थाने में धोखाधड़ी, कूटरचना समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कराया है। पुलिस केस दर्ज कर जांच कर रही है।

आइए जानते हैं क्या है पूरा मामला : अनुभाग अधिकारी अजय कुमार सिंह ने तहरीर दी है कि पीसीएस 2021 में प्रधानाचार्य के पद पर रश्मिकला और राम प्रकाश का चयन हुआ। इस पर आयोग ने अभ्यर्थियों के अनुभव प्रमाण पत्र का सत्यापन कराया गया। जांच में डीआईओएस भदोही की आख्या के साथ संगत अभिलेखों एवं अनुभव प्रमाण पत्र की जांच की गई। इसमें मिला कि विद्या सागर इंटरमीडिएट पूरे खुशहाल, भदोही की ओर अवगत कराया गया है कि रश्मिकला 10 जुलाई 2016 से 31 मार्च 2020 तक विद्यालय में सहायक अध्यापक पद पर कार्यरत थीं। कार्यालय अभिलेखानुसार प्रधानाचार्य पद के लिए रश्मिकला का अनुभव प्रमाण पत्र इस कार्यालय से निर्गत नहीं किया गया है। इनके अनुभव प्रमाण पत्र पर मेरा हस्ताक्षर नहीं है।

पक्ष रखने के लिए 31 जुलाई को बुलाया गया

इस पर अभ्यर्थी रश्मिकला को अपना पक्ष रखने के लिए 31 जुलाई 2023 को बुलाया गया। रश्मिकला से पूछा गया कि संयुक्त शिक्षा निदेशक की ओर से आपके अनुभव प्रमाण पत्र के संदर्भ में प्रेषित सत्यापन आख्या में उल्लिखित है कि अनुभव प्रमाण पत्र इस कार्यालय से निर्गत नहीं किया गया है। रश्मिकला ने बताया–अनुभव प्रमाण पत्र विद्यालय के प्रबंधक से मिला। इसके बाद जांच कराई गई कि यह कूटरचित अनुभव प्रमाण पत्र किस स्तर पर जारी हुआ। तब पता चला कि रश्मिकला का प्रमाण पत्र विध्द्यालय प्रबंध समिति के एक सदस्य ने मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक का फर्जी हस्ताक्षर कराकर फर्जी सरकारी पदनाम की मुहर बनाकर अनुभव प्रमाण पत्र बनाया गया है।

कई फर्जीवाड़े सामने आ गए : अभ्यर्थी राम प्रकाश के अनुभव प्रमाणपत्र के सत्यापन में पता चला कि प्रमाण पत्र पर कूटरचित हस्ताक्षर है। राम प्रकाश पक्ष जानने के बाद जांच कराई गई तो पता चला कि हो सकता है कूटरचित हस्ताक्षर संबंधित अभ्यर्थी के ही स्तर पर किया गया है। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद आयोग ने निर्णय लिया कि चूंकि प्रकरण सवेदनशील एवं गंभीर प्रकृति का है। हो सकता है कि सरकारी सेवा पाने के इरादे से स्वयं अभ्यर्थियों ने संबंधित विद्यालयों से साठगांठ करके अनुभव प्रमाण पत्र प्राप्त किया गया हो। इस पर दोनों अभ्यर्थियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। साथ ही अभ्यर्थियों को फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र देने वाले संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ जांच कर कार्रवाई की जाए।

एक दिन में 60 मुकदमों पर फैसला, 1800 बीघे जमीन कर दी भूमाफिया के नाम, जानें कैसे हुआ पूरा खेल

प्रयागराज। फूलपुर तहसील में 2015 में अरबों रुपये की सरकारी जमीन को भूमाफिया के नाम करने का अजब खेल खेला गया है। तत्कालीन तहसील प्रशासन ने एक दिन में 60 वादों को निस्तारित कर करीब 1800 बीघे जमीन भूमाफिया के नाम कर दी। इनमें से 52 वाद तो दाखिल करने के एक दिन बाद ही निस्तारित कर दिए गए। खास बात है कि ज्यादातर मामलों में सुनवाई करने वाले अधिकारी ने राजस्व टीम की आख्या पर बस ओके लिख दिया है। झूंसी के पास स्थित आठ गांवों में स्थित इस जमीन की कीमत नौ से 10 अरब रुपये बताई जा रही है। अब डीएम की अध्यक्षता में गठित तीन सदस्यीय टीम को पूरे मामले की जांच कर एक महीने में रिपोर्ट शासन को भेजनी है। मामला दिसंबर 2015 का है। बलवान सिंह यादव नामक व्यक्ति ने अप्रैल में यह शिकायत की थी। शिकायतकर्ता की ओर से एसडीएम के स्तर पर हुए 61 आदेशों की प्रति भी लगाई है, जिसके माध्यम से 1800 बीघे जमीन अलग–अलग लोगों के नाम कर दी गई है। इस आधार पर मंडलायुक्त के निर्देश पर कराई गई प्रारंभिक जांच में बड़े ही चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। शिकायतकर्ता के पत्र व मंडलायुक्त की ओर से सात जून को भेजी जांच रिपोर्ट के अनुसार इन भूखंडों से संबंधित 52 वाद वर्ष 10 दिसंबर 2015 को दाखिल हुए थे। इसके अलावा आठ वाद इससे तीन दिन पहले यानी सात दिसंबर को दाखिल हुए थे। इन सभी

60 वादों को 12 दिसंबर को निस्तारित कर दिया गया। इसके विपरीत एक वाद उसी वर्ष 10 दिसंबर को दाखिल हुआ था, जिसका निस्तारण पिछले वर्ष छह नवंबर हुआ। ज्यादातर वादों में तहसीलदार की ओर से आख्या लगाई गई है, जिसे एसडीएम ने स्वीकृति प्रदान कर दी। कई वाद में तहसीलदार की आख्या के आगे बस ओके लिख दिया गया है। वाद निस्तारण को लेकर स्पष्ट आदेश नहीं दिया गया है और न ही इसके अंतिम रूप से निस्तारण संबंधी आदेश के औचित्य को ही स्पष्ट किया गया है। इन आदेशों से यह स्पष्ट भी नहीं है कि इनके निस्तारण में इतनी तत्परता क्यों दिखाई गई। शासन की ओर से पूरे मामले की जांच के लिए कहा गया है। डीएम, एडीएम सिटी और बंदोबस्त चकबंदी अधिकारी की जांच समिति यह भी देखेगी कि इन वादों का निस्तारण किन परिस्थितियों में अप्रत्याशित शीघ्रता से किया गया है। जांच समिति यह भी देखेगी कि तत्कालीन प्रशासन व्यक्तियों, भूमाफिया, बिल्डरों के बीच संबंधों को भी देखेगी, जिसकी वजह से वादों के निस्तारण में अतिशीघ्रता दिखाई गई।

रेलवे की भी करोड़ों की बेच दी गई थी जमीन

फूलपुर तहसील के अंतर्गत 2015 में एक अन्य जमीन घोटाला हुआ था। उस समय रेलवे ग्राम समाज के साथ रेलवे की जमीन भी भूमाफिया को बेच दी गई थी। उस मामले में तत्कालीन तहसील प्रशासन की मिलीभगत सामने आई थी, जिसकी अभी जांच चल रही है।

255 पेज के शिकायत पत्र में आदेशों की भी लगाई गई है प्रति : बलवान सिंह की ओर से 255 पेज का शिकायती पत्र दिया गया है। इसमें रेवेन्यू केसेज कंप्यूटराइज्ड सिस्टम पोर्टल पर अपलोड सभी 61 आदेशों की प्रति भी लगाई गई है। इस आधार पर मंडलायुक्त की ओर से जांच कराके पिछले महीने रिपोर्ट भेजी गई थी। इन्हीं आधारों पर अमर मुख्य सचिव राजव पी.गुरु प्रसाद ने डीएम की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति गठित की है। इसके अलावा आयुक्त एवं सचिव राजस्व परिषद की अनुमति पर उत्तर प्रदेश उप भूमि व्यवस्था आयुक्त भीष्मलाल वर्मा की भी ओर से भी जांच का आदेश दिया गया है।

मंगाए गए सभी दस्तावेज

डीएम की अध्यक्षता में गठित समिति ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। तहसील से सभी आदेशों की मूल कॉपी मंगाई गई है। निबंधन कार्यालय से सभी संबंधित भूखंडों की रजिस्ट्री की मूल प्रति मंगाई गई है। इसके अलावा कलक्ट्रेट एवं तहसील में रखे गए भूखंड से संबंधित पुराने दस्तावेज भी मंगा लिए गए हैं। ताकि, यह देखा जा सके कि यह ग्राम समाज की ही जमीन है। पूरे मामले में उस दौरान तैनात एसडीएम, अफसरों और कर्मचारियों से भी पूछताछ की जाएगी।

रेल अंडर ब्रिज के दोहरीकरण के लिए आरवीएनएल शुरू की गर्डर की लांचिंग, मंगाई गई बड़ी क्रेन

प्रयागराज। सोहबतियाबाग रेल अंडर ब्रिज के दोहरीकरण के लिए रेल विकास निगम लिमिटेड ने गर्डर लांचिंग शुरू कर दी है। गंगा नदी पर बने पुल की तर्ज पर प्रयागराज शहर में पहली बार रेलवे ओवन वैब गर्डर लगा रहा है। यह हुबहू ऐसा ही बनते कि जैसे किसी नदी पर रेल के पुल। फिलहाल सोहबतियाबाग रेल अंडर ब्रिज के एक छोर पर गर्डर लांचिंग शुरू कर दी गई है। इसके लिए यहां एक बड़ी क्रेन भी मंगवाई गई है। यहां तकरीबन 150 फीट लंबा पुल बनाया जाएगा। इसमें नीचे कोई पिलर नहीं रहेगा। अभी पुल निर्माण के लिए अस्थायी लोहे के पिलर सिर्फ सपोर्ट के लिए लगाए जा रहे हैं। रेल विकास निगम लिमिटेड के महाप्रबंधक वीके अग्रवाल का कहना है कि अगर ट्रैफिक पुलिस रोड ब्लॉक दे देती है तो अधिकतम तीन सप्ताह में पुल तैयार हो जाएगा। हमारा प्रयास रहेगा कि एक बार में एक लेन ही बंद की जाए। ताकि दूसरी लेन से वाहनों की आवाजाही होती रहे।

बुड्डा ताजिया की मेंहद में सैकड़ों लोगों ने दिया कंधा

पुराने शहर में जुटी हजारों की भीड़, आधी रात के बाद मेंहदी रखी गई

प्रयागराज। प्रयागराज में करबला के शहीदों की याद में

अलम, मेंहदी, ताजिया उठाने का सिलसिला शुरू हो गया है। शबीह, मातम, मजलिस के बीच मेंहदी को कंधा देने वालों की भीड़ उमड़ रही है। मोहर्रम की 5 तारीख को बुड्डा ताजिया की ऐतिहासिक मेंहदी अकीदत के साथ उठाई गई। बुड्डा ताजिया की मेंहदी को कंधा देने के लिए सैकड़ों अकीदतमंदों की भीड़ उमड़ी। बुड्डा ताजिया की मेंहदी नूरुल्ला रोड स्थित इमामबाड़े से शुक्रवार की देर रात 11 बजे उठाई गई। हजारों लोग मेंहदी को कंधा देने पहुंचे थे, ऐसे में मेंहदी को गश्त कराने में मशक्कत हुई।

पुराने शहर में मेंहदी को कंधे पर उठाया, डीसीपी मौजूद रहे

मेंहदी पूरे नुरुल्ला रोड पर देर रात तक गश्त करती रही। हुसैन के चाहने वाले करीब दो बजे रात तक कंधा देते हुए मेंहदी को उठाए रहे। इस दौरान पुराने शहर के नूरुल्ला रोड, रोशनबाग, बुड्डा ताजिया, नखासकोहना, बेनीगंज, गुलाबबाड़ी, अटाला, रसूलपुर, करेबी बैरियर, खुल्दाबाद, गुरुद्वारा रोड आदि पर सैकड़ों अकीदतमंदों की भीड़ जुटी रही। देर रात तक मेंहदी को फूल चढ़ाने वालों का मजमा लगा रहा। डीसीपी सिटी दीपक भूकर, एसीपी कोतवाली मनोज सिंह समेत तमाम अफसर गश्त करते रहे। डीसीपी पीसी कमेटी के सदस्यों के साथ पुराने शहर में पैदल घूमते रहे। मेंहदी के मार्गों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहे। मिलीजुली आबादी वाले इलाकों में फोर्स की तैनाती रही।

इससे पहले भी मेंहदी को कंधा देने उमड़ती रही भीड़

गमी का त्योहार मोहर्रम अकीदत के साथ मनाया जाने लगा है। करबला के शहीदों की याद में पुराने शहर से अलम, मेंहदी और ताजिया उठने का सिलसिला तेज हो गया है। बुधवार देर रात चौक सब्जीमंडी में सलीम पहलवान की रजिस्टर्ड मेंहदी उठाई गई। रात 12 बजे उठी मेंहदी को कंधा देने के लिए सैकड़ों लोगों की भीड़ जुटी। मेंहदी को कंधा देने वालों की भीड़ इतनी रही कि मेंहदी रात 2 बजे वापस इमामबाड़े पर रखी जा सकी। मेंहदी पर फूल चढ़ाने, बोसा लेने वालों का मजमा लगा रहा। हर कोई मेंहदी को कंधा देने के लिए दौड़ लगाता रहा। सब्जीमंडी, गढीसरांय, हम्माम आदि इलाकों में लोगों ने कंधों पर मेंहदी को गश्त कराया। दर्जनों लोग मेंहदी के रास्तों पर हुसैन के चाहने वालों के लिए लंगर करते रहे। इमाम हुसैन को याद कर आंसू बहाए जाते रहे। सब्जीमंडी में अधिक भीड़ की वजह से सुरक्षा इंतजाम भी काफी सख्त रहे। मेंहदी को निर्धारित रूट से बाहर न ले जाय जाए इसके लिए बैरिकेडिंग की गई थी। एसीपी कोतवाली मनोज सिंह सुरक्षा इंतजाम देखते रहे।

प्रयागराज में 402 शिक्षकों ने दर्ज कराई ऑनलाइन अटेंडेंस

शहरी क्षेत्र, करछना, मांडा, हंडिया और मऊआइमा के टीचर ने बहिष्कार किया

प्रयागराज। परिषदीय विद्यालयों के शिक्षक लगातार ऑनलाइन अटेंडेंस का विरोध कर रहे हैं। कल शुक्रवार को प्रयागराज में महज दोनों टाइम में 402 शिक्षकों ने ही ऑनलाइन अटेंडेंस दर्ज कराई। जबकि शहरी क्षेत्र, करछना, मांडा, हंडिया व मऊआइमा विकासखंड के स्कूलों के टीचर ने ऑनलाइन अटेंडेंट का बहिष्कार कर विरोध

ा किया और यहां एक भी शिक्षक ने ऑनलाइन अटेंडेंस नहीं लगाया।

सबसे ज्यादा चाका में ऑनलाइन अटेंडेंस

प्रयागराज में कुल 2839 स्कूलों के 15321 शिक्षकों में से सुबह 286 यानी 1.97: और शाम को 116 शिक्षक यानी 81: शिक्षकों ने आनलाइन उपस्थिति दर्ज कराई। सब से अधिक 52 शिक्षकों ने चाका में अपने टैब से हाजिरी भरी। सोरांव में 40, धनूपुर में 25, प्रतापपुर में 29, कोरांव में 22, कौड़िहार प्रथम में 29 आंकड़ा रहा।

स्कूलों में जाकर शिक्षकों से संवाद कर रहे अफसर

आनलाइन उपस्थिति का विरोध कर रहे शिक्षकों से संवाद और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए अफसरों, एआरपी, एसआरजी की टीम लगातार स्कूलों का दौरा कर रही है। आनलाइन उपस्थित को लेकर फैले भ्रम को दूर किया जा रहा है। टैब के संचालन में आने वाली समस्याओं को सुनकर गूगल शीट पर जानकारी देने की हिदायत दी जा रही है। शिक्षकों को यह बताया जा रहा है कि सभी शिक्षक शासन की ओर से निर्देशित 12 में से 11 रजिस्टर इस माह तक आनलाइन करें। उपस्थिति के रजिस्टर को लेकर किसी तरह का दबाव नहीं है। फिलहाल यदि वह आनलाइन उपस्थिति भरते हैं तो उससे उनका कोई नुकसान नहीं होगा। जो भी कदम उठाए जा रहे हैं वे शिक्षकों के हित में हैं।

बीएसए बोले, शिक्षकों को किया जाएगा प्रेरित

बीएसए प्रवीण कुमार तिवारी ने बताया कि इस संबंध में स्कूल शिक्षा महानिदेशक की ओर से वीसी हुई है। उन्होंने सब से पहले मिड डे मील, बच्चों की उपस्थिति आदि के रजिस्टर को आनलाइन कराने को कहा है। इस दिशा में शिक्षकों को प्रेरित करने के लिए पूरे महीने अभियान चलेगा। जिन विकासखंडों में आनलाइन कराने की गति धीमी है, वहां विशेष अभियान चलेगा। यदि संवाद से बात नहीं बनेगी तो सख्त कदम भी उठाए जाएंगे।

सेमीफाइनल में युवराज सिंह ने ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की कर दी कुटाई, 9 गेंदों में बना डाले 46 रन

युवराज ने इस मैच में 28 गेंदों पर 59 रनों की पारी खेली। इससमें से 46 रन तो युवराज ने महज 9 ही गेंदों में बना लिए। युवराज ने इस मैच में पांच छक्के मारे। यानी 30 रन छक्कों से आ गए। वहीं चार गेंदों पर उन्होंने चौके लगाए जिसका मतलब है कि 16 रन उन्होंने महज चौके से बटोरे। 9 गेंदों पर उनके बल्ले से निकले कुल 46 रन। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 210.71 का रहा।

युवराज सिंह को भारत के महान ऑलराउंडर्स में गिना जाता है। युवराज अपनी तूफानी बल्लेबाजी के लिए भी जाने जाते थे, वहीं एक बार उन्होंने साबित कर दिया कि उनके जैसा बल्लेबाज बन पाना मुश्किल है। भारत ने 2007 में टी20 वर्ल्ड कप और साल 2011 में वनडे वर्ल्ड कप जीता था। इन दोनों ही टूर्नामेंट में युवराज सिंह को योगदान बेहद अहम था। युवराज ने अपने बल्ले से जो पारियां खेलीं थी उनकी याद आज भी हर किसी के जहन में है। युवराज को संन्यास लिए कई समय हो गया लेकिन उनकी बल्लेबाजी में किसी तरह का कोई बदलाव नहीं आया है। दरअसल, युवराज सिंह इन दिनों वर्ल्ड चौंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में खेल रहे हैं। युवराज इंडिया चौंपियंस की कप्तानी कर रहे हैं और अपनी कप्तानी में वह टीम को फाइनल में ले गए हैं। सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने ऐसी ताबड़तोड़ पारी खेली कि देखने वालों को विंटेज युवराज याद आ गए।

9 गेंदों में मचाया कोहराम

बता दें कि, युवराज ने इस मैच में 28 गेंदों पर 59 रनों की पारी खेली। इससमें से 46 रन तो युवराज ने महज 9 ही गेंदों में बना लिए। युवराज ने इस मैच में पांच छक्के मारे। यानी 30 रन छक्कों से आ गए। वहीं चार गेंदों पर उन्होंने चौके लगाए जिसका मतलब है कि 16 रन उन्होंने महज चौके से बटोरे। 9 गेंदों पर उनके बल्ले से निकले कुल 46 रन। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 210.71 का रहा। युवराज ने इस दौरान अपने वही पुराने शॉट्स दिखाए जो उनकी बल्लेबाजी की खूबसूरती हुआ करती थी।

पठान बंधुओं का दम

युवराज के बाद युसूफ और इरफान पठान ने अपने बल्ले से जो कोहराम मचाया उसने ऑस्ट्रेलिया चौंपियंस को परेशानी में डाल दिया। इरफान ने तो इस मैच में 18 गेंदों पर ही अर्धशतक जमा दिया। 19वीं गेंद पर वह हालांकि, आउट हो गए। इरफान ने अपनी पारी में तीन चौके और पांच बेहतरीन छक्के मारे। युसूफ ने 23 गेंदों पर नाबाद 51 रन बनाए जिसमें चार चौके और चार छक्के शामिल रहे। इरफान ने 263.15 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए तो युसूफ ने 221.73 की स्ट्राइक रेट से रन बटोरे। रिटायरमेंट के बाद बल्लेबाजों से ऐसी बल्लेबाजी की उम्मीद नहीं रखी जाती लेकिन भारतीय धुरंधरों ने ये कमाल कर दिया। रॉबिन उथप्पा ने भी इस मैच में 65 रन बनाए। इंडिया चौंपियंस ने 20 ओवरों में कुल 6 विकेट खोकर 254 रन बनाए। जबकि ऑस्ट्रेलिया चौंपियंस सात विकेट खोकर 168 रन ही बना सकी।

संक्षिप्त

एमटीएनएल का संचालन बीएसएनएल को सौंपने पर विचार, विलय की संभावना नहीं

नयी दिल्ली। सरकार एक समझौते के जरिए महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड (एमटीएनएल) का संचालन बीएसएनएल को सौंपने के विकल्प पर विचार कर रही है। मामले से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि सरकार विलय की जगह इस विकल्प पर विचार कर रही है। इस पर अंतिम फैसला एक महीने में लिए जाने की संभावना है। सूत्र ने बताया कि कर्ज में डूबी एमटीएनएल का संचालन एक समझौते के जरिए भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) को सौंपने के विकल्प पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि एमटीएनएल के भारी कर्ज को देखते हुए बीएसएनएल के साथ विलय अनुकूल विकल्प नहीं है। फैसला लिए जाने के बाद प्रस्ताव सचिवों की समिति के सामने रखा जाएगा और उसके बाद मंत्रिमंडल इस बारे में अंतिम निर्णय लेगी। एमटीएनएल ने बढ़ते वित्तीय संकट के बीच इस सप्ताह शेयर बाजार को दी सूचना में कहा था कि वह अपर्याप्त फंड के कारण कुछ बॉन्डधारकों को ब्याज का भुगतान करने में असमर्थ है। यह ब्याज 20 जुलाई 2024 को देय है। एमटीएनएल, दूरसंचार विभाग और बीकन ट्रस्टीशिप लिमिटेड के बीच हस्ताक्षरित त्रिपक्षीय समझौते (टीपीए) के अनुसार एमटीएनएल को देय तिथि से 10 दिन पहले एस्क्रो खाते में पर्याप्त राशि के साथ अर्धवार्षिक ब्याज का भुगतान करना होगा। एमटीएनएल ने कहा कि टीपीए के प्रावधानों के मद्देनजर, यह सूचित किया जाता है कि अपर्याप्त फंड के कारण, एमटीएनएल एस्क्रो खाते में पर्याप्त राशि जमा नहीं कर सकी है। एमटीएनएल दिल्ली और मुंबई में दूरसंचार सेवाएं देती है, जबकि बीएसएनएल दिल्ली और मुंबई को छोड़कर पूरे भारत में परिचालन करती है। रिलायंस जियो और भारती एयरटेल जैसी निजी दूरसंचार कंपनियों ने पिछले कुछ महीनों में अपने ग्राहकों की संख्या में वृद्धि की है, लेकिन एमटीएनएल का ग्राहक आधार घट रहा है।

कोल इंडिया ई-नीलामी के नियमों को आसान बनाएगी, आवंटन पद्धति में बदलाव की योजना

नयी दिल्ली। महारत्न कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने शुक्रवार को कहा कि उसने ई–नीलामी के नियमों को आसान बनाने के उपाए किये हैं। कंपनी ने बताया कि इसके तहत बयाना राशि को कम करना और पेशकश में कोयला की मात्रा बढ़ाने जैसे कदम शामिल हैं। कोल इंडिया अपनी नीलामी और आवंटन पद्धति में भी बदलाव करने की योजना बना रही है, जिसका मकसद भागीदारी को बढ़ावा देना है। कंपनी ने एक बयान में कहा, कोल इंडिया ने ई–नीलामी के नियमों को आसान बनाने के लिए बयाना राशि जमा (ईएमडी) को कम करने और नीलामी के तहत पेश की जाने वाली मात्रा को बढ़ाने जैसे कदम उठाए हैं। कोल इंडिया ने नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड को छोड़कर अपनी सभी इकाइयों से चालू वित्त वर्ष की दूसरी और तीसरी तिमाही के लिए ई–नीलामी के तहत पेशकश की मात्रा को अपने संबंधित कुल उत्पादन के मुकाबले 40 प्रतिशत तक बढ़ाने को कहा है। इस समय कोल इंडिया केवल एकल खिड़की व्यवस्था एग्नॉस्टिक ई–नीलामी योजना संचालित करती है, जहां उपभोक्ता कोयले के परिवहन का अपना पसंदीदा तरीका चुन सकते हैं। बयान में कहा गया, कंपनी अपनी इलेक्ट्रॉनिक विंडो के तहत नीलामी और आवंटन पद्धति में सुधार की भी योजना बना रही है।

सियाम ने ईवी के लिए रियायतें, वाहनों को कबाड़ में बदलने को अतिरिक्त प्रोत्साहन मांगा

नयी दिल्ली। वाहन उद्योग संगठन सियाम ने शुक्रवार को इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को बढ़ावा देने के लिए रियायतें मांगी। उद्योग निकाय ने साथ ही कहा कि सरकार को आगामी आम बजट में वाहनों को कबाड़ में बदलने के लिए अतिरिक्त प्रोत्साहनों की घोषणा करनी चाहिए। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने पूंजीगत व्यय के लिए अधिक आवंटन के साथ वृद्धि को बढ़ावा देने वाले बजट पर जोर दिया। सियाम के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने यहां संवाददाताओं से कहा, हमें उम्मीद है कि सरकार को फेम 3 जैसी नीति लानी चाहिए... पीएलआई जैसी अच्छी योजनाएं पहले से ही लागू हैं, जिनके जारी रहने का हमें भरोसा है। अगर फेम 3 (इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाना और उनका विनिर्माण) योजना शुरू की जाती है, तो इससे इलेक्ट्रिक दोपहिया और तिपहिया वाहनों के साथ ही सार्वजनिक बसों को वित्तीय प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। फेम 3 योजना, इलेक्ट्रिक गतिशीलता संवर्धन योजना (ईएमपीएस) की जगह लेगी, जिसे फेम 2 योजना के खत्म होने पर पेश किया गया था।

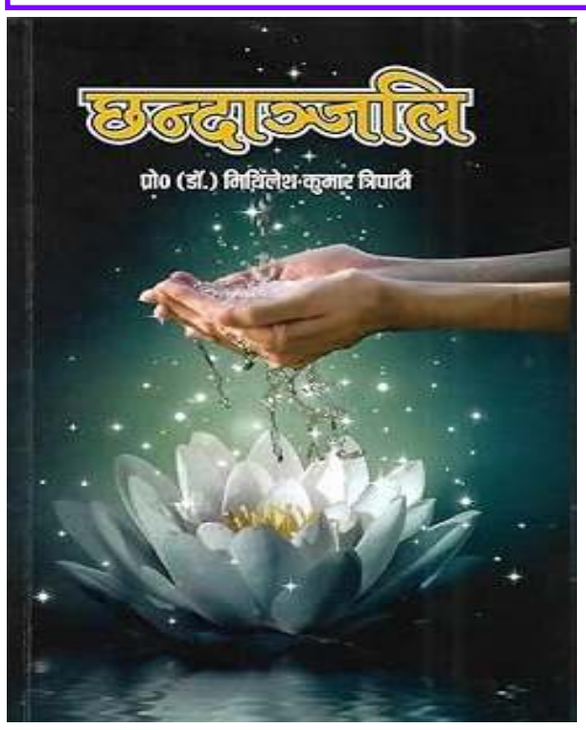

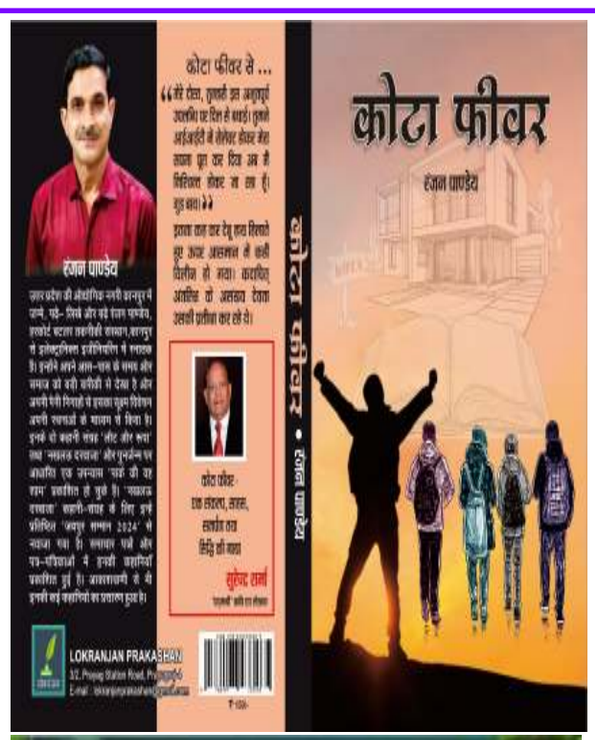

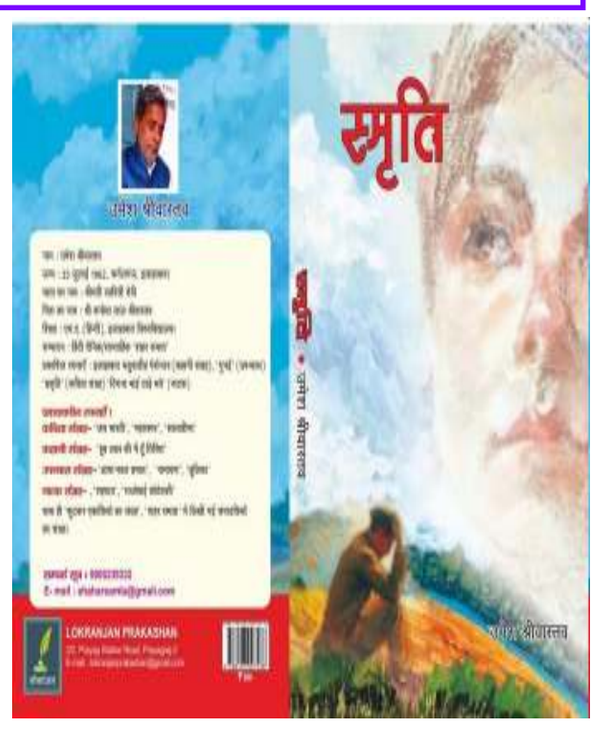

एस.लाल एण्ड सन्स मेडिकल्स
OPD
नेत्र रोग विशेषज्ञ
डा. आर.के. श्रीवास्तव
समय - 10 बजे से 1 बजे तक,
दिन - सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार, (निःशुल्क परामर्श - शनिवार, रविवार)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. शिखा माथुर
प्रतिदिन - दोपहर 1 से 3 बजे तक
जनरल फिजिशियन
डा. कार्तिकेय
समय - शाम 4 बजे से 8 बजे तक । दिन - प्रतिदिन
पता - 18B, म्योर रोड, जहाज चौराहा, प्रयागराज
Mob.: 9151121918, 9140445768

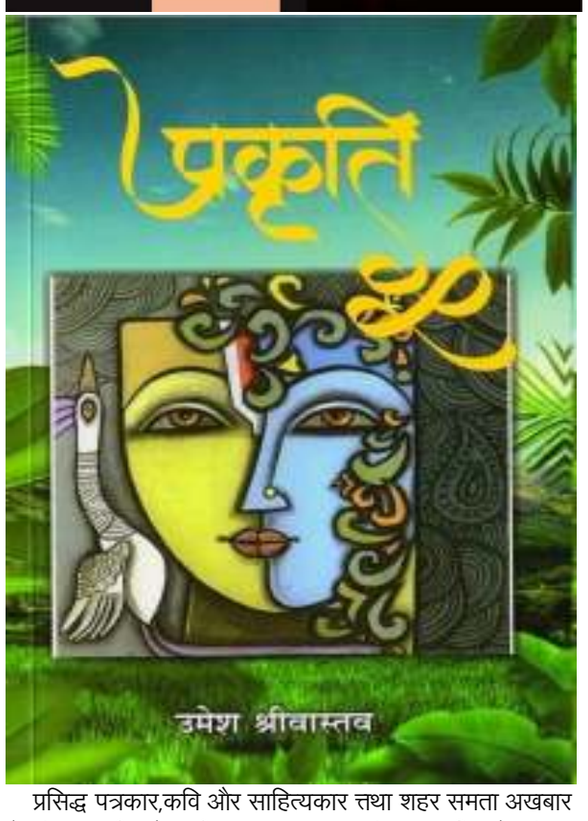

प्रसिद्ध पत्रकार,कवि और साहित्यकार त्तथा शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव का काव्य संग्रह ष्प्रकृतिष् लोकरंजन प्रकाशन द्वारा प्रकाशित किया गया है और अमेजन पर उपलब्ध है।

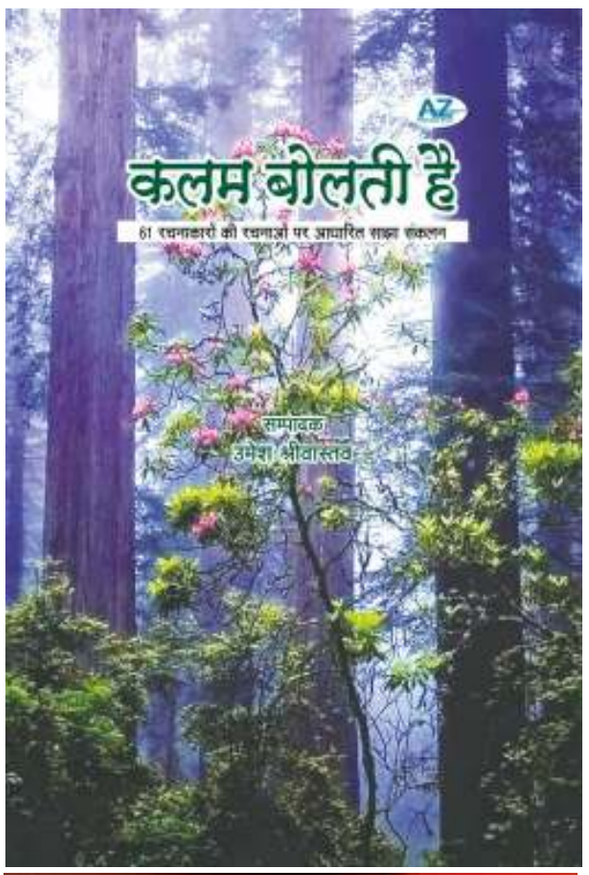

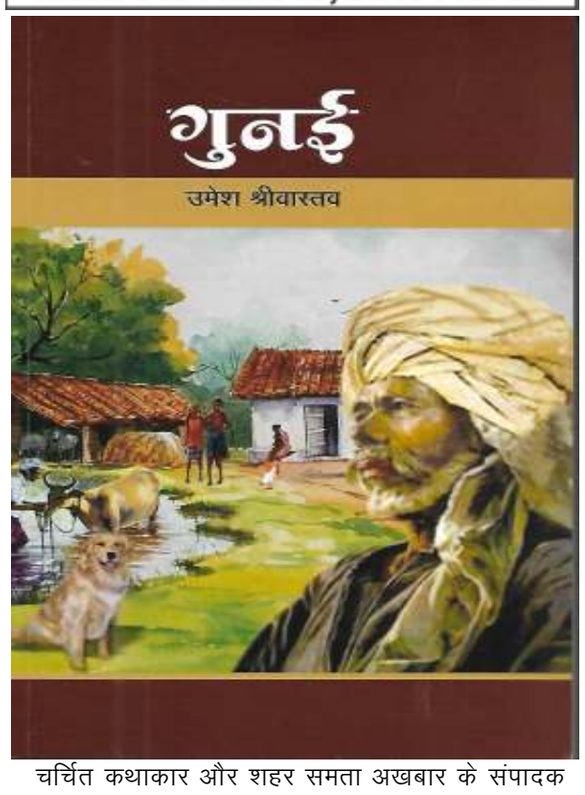

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

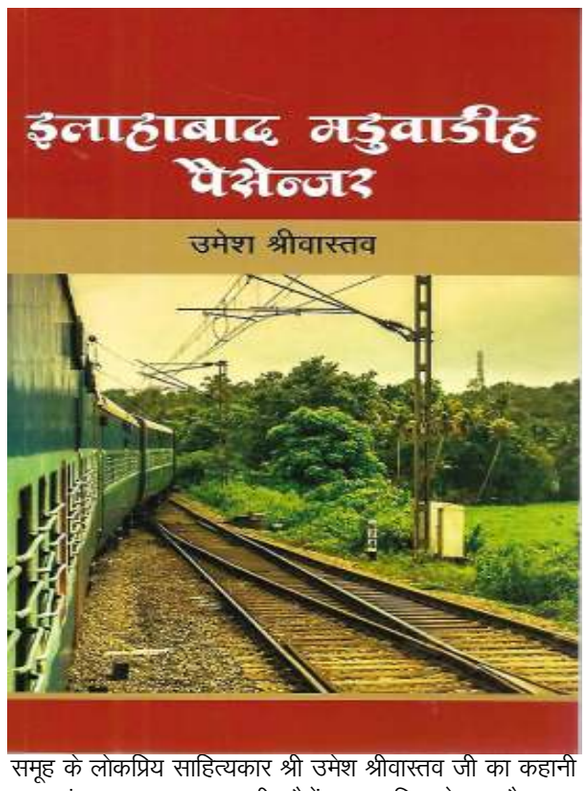

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

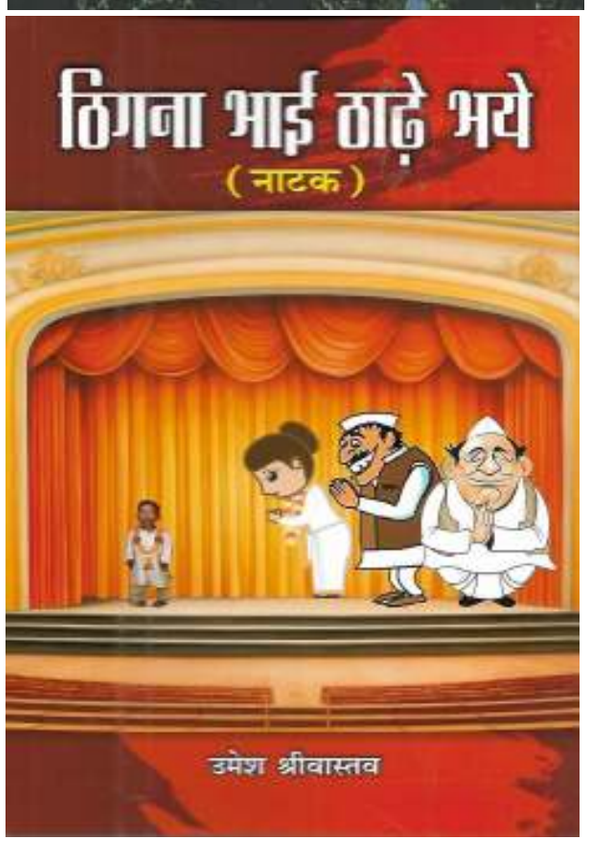

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

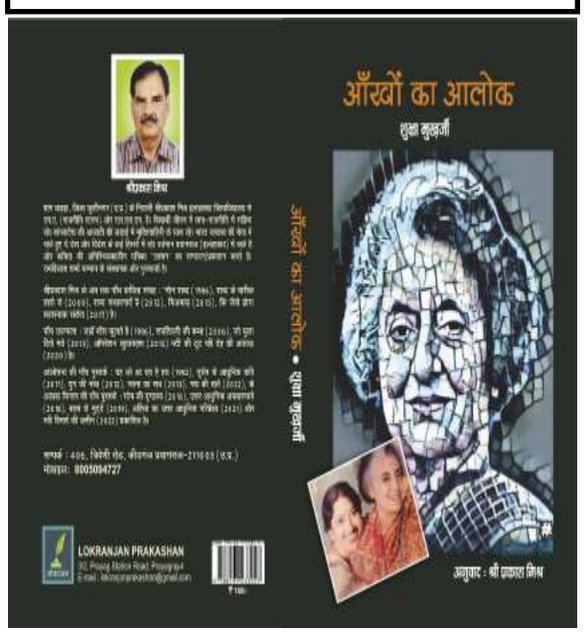

सम्पादकीय.....

भरण–पोषण का हक

देश की शीर्ष अदालत ने महिला सशक्तीकरण की दिशा में नई पहल की है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को स्पष्ट किया है कि मुस्लिम महिलाएं भी सीपीसी की धारा 125 के तहत भरण–पोषण की हकदार हैं। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने इस सिद्धांत की व्याख्या की कि भरण–पोषण किसी तरह का दान नहीं बल्कि सभी विवाहित महिलाओं का मौलिक अधिकार है। अब चाहे महिला किसी भी धर्म की क्यों न हो। दरअसल, अदालत का फैसला तेलंगाना के मोहम्मद अब्दुल समद की अपील के जवाब में आया है। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने भी इसी तरह का फैसला दिया था, जिसे शीर्ष अदालत ने बरकरार रखा। अब्दुल समद ने तेलंगाना उच्च न्यायालय के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। उल्लेखनीय है कि याचिकाकर्ता ने दलील दी थी कि एक तलाकशुदा महिला केवल मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकार संरक्षण) अधिनियम 1986 के तहत ही भरण–पोषण की मांग कर सकती है। शीर्ष अदालत ने उसकी अपील को खारिज कर दिया। कोर्ट का मानना था कि धारा 125 देश की सभी महिलाओं पर लागू एक धर्मनिरपेक्ष प्रावधान है। उल्लेखनीय है कि यह फैसला ऐतिहासिक शाह बानो प्रकरण की याद ताजा करता है। इस मामले में शीर्ष अदालत ने धारा 125 के तहत एक तलाकशुदा मुस्लिम महिला के भरण–पोषण के अधिकार के पक्ष में फैसला सुनाया था। यह फैसला 1986 के उस अधिनियम के बावजूद था, जिसमें इस अधिकार को सीमित करने के प्रावधान किये गये थे। बहरहाल, अदालत का हालिया फैसला धारा 125 की स्थायी स्वीकार्यता को सिद्ध करता है। यह भारतीय न्यायतंत्र की खूबसूरती ही है कि अधिनियम के विकास और उसके बाद के न्यायिक उदाहरणों ने तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के भरण–पोषण के अधिकारों का उत्तरोतर विस्तार ही किया है। निस्संदेह, शीर्ष अदालत का फैसला महिलाओं को उनके न्यायोचित अधिकार दिलाने तथा संरक्षण की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है।बहरहाल, अदालत ने इस फैसले के जरिये यह संदेश देने का प्रयास किया है कि जब हम 21वीं सदी में सर्वांगीण विकास व सभ्यता के समृद्ध होने का दावा करते हैं तो महिलाओं के अधिकारों को लेकर भी हमारी सोच प्रगतिशील होनी चाहिए। उनके प्रति संकीर्ण मानसिकता के चलते ही महिलाओं की स्थिति में अपेक्षित बदलाव नहीं हो पाया है। अदालत का नवीनतम निर्णय विकास क्रम के अनुरूप यह सुनिश्चित करता है कि देश में किसी भी धर्म की महिला अपने अधिकारों से वंचित न रहे। साथ ही यह भी कि विवाह विच्छेदन के बाद भी महिला को भरण–पोषण के लिये आर्थिक सहायता पाने का अधिकार है। निस्संदेह, अदालत ने भारत में लैंगिक न्याय और समानता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। यह फैसला न केवल संवैधानिक सिद्धांतों को कायम रखता है बल्कि मुस्लिम महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा को भी मजबूत करता है। साथ ही यह फैसला भविष्य के मामलों के लिये भी एक मिसाल स्थापित करता है। इस फैसले का मानवीय पक्ष यह भी है कि यदि तलाकशुदा महिला का आय का कोई नियमित जरिया नहीं है तो भरण–पोषण के लिये आर्थिक मदद न मिल पाने से उसके जीवन–यापन का संकट बड़ा हो जाता है। विडंबना यह है कि भारत में मायके पक्ष के सक्षम होने के बावजूद तलाकशुदा बेटी को साथ रखने को अच्छी नजर से नहीं देखा जाता। जिससे तलाकशुदा बेटियों का जीवन–यापन दुष्कर हो जाता है। ऐसी महिलाओं के जीवन में यह फैसला एक नई रोशनी बनकर आया है। निस्संदेह, फैसला स्वागतयोग्य है और इसके दूरगामी गहरे निहितार्थ भी हैं। पिछली राजग सरकार के दौरान बने तीन तलाक कानून ने भी मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों को संरक्षण प्रदान किया था। यह फैसला देश की सोच में आए बदलाव का भी प्रतीक है। करीब चार दशक पहले शाह बानो केस में कोर्ट के ऐसे ही प्रगतिशील फैसले को तत्कालीन राजीव गांधी सरकार ने अपनी विधायी शक्ति से पलट दिया था। जिसके बाद देश में ध्रुवीकरण की राजनीति को बल मिला था। निस्संदेह, चार दशक बाद अब भारतीय समाज में लैंगिक समानता को लेकर सोच में व्यापक बदलाव आया है।

सड़क हादसों की बढ़ती संख्या चिंता का सबब

–रोहित माहेश्वरी

इसके लिए वाहन चालक, सरकार और प्रशासन संयुक्त रूप से जिम्मेदार हैं। सड़क हादसों के कई कारण हैं। शराब पी कर वाहन को तेज चलाने और स्टंट करने से भी सड़क हादसे हो रहे हैं। इसलिए शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्ती होनी चाहिए। उत्तर प्रदेश के उन्नाव बस हादसे का शिकार हुई बस का ड्राइवर नशे में था– यह बात सामने आ चुकी है।

बीते 10 जुलाई को बिहार से दिल्ली जा रही डबल डेकर बस आगरा एक्सप्रेसवे पर यूपी के उन्नाव जिले में दुर्घटना की शिकार हो गयी और इस दर्दनाक हादसे में बस में सवार 18 यात्रियों की मौत हो गयी। हादसे के बाद बस के सुरक्षा मानकों पर सवाल उठने लगा है। लोग भी हादसा होने के बाद सीख नहीं ले रहे हैं। असल में देश में सड़क हादसों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। इसके लिए वाहन चालक, सरकार और प्रशासन संयुक्त रूप से जिम्मेदार हैं। सड़क हादसों के कई कारण हैं। शराब पी कर वाहन को तेज चलाने और स्टंट करने से भी सड़क हादसे हो रहे हैं। इसलिए शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्ती होनी चाहिए। उत्तर प्रदेश के उन्नाव बस हादसे का शिकार हुई बस का ड्राइवर नशे में था– यह बात सामने आ चुकी है। 30 मई को जम्मू–कश्मीर में अखनूर के पास एक बस के गहरी खाई में गिरने से 20 से अधिक श्रद्धालुओं की मौत फिर से यह बता रही है कि अपने देश में किस तरह आए दिन होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में लोग बड़ी संख्या में अपनी जान गंवाते हैं। इस बस दुर्घटना का कारण यह माना जा रहा है कि ड्राइवर या तो तेज रफ्तार से बस चला रहा था, जिसके चलते वह सामने से आती कार को बचाने में अपना नियंत्रण खो बैठा या फिर उसे झपकी आ गई होगी। दुर्घटना का मूल कारण कुछ भी हो, जो लोग अपनी जान गंवा बैठे, उन्हें वापस नहीं लाया जा सकता। यह ठीक है कि राहत एवं बचाव कार्य तुरंत शुरू कर दिया गया और इस हादसे पर राष्ट्रपति समेत प्रमुख नेताओं ने अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं, लेकिन यह प्रश्न तो अनुत्तरित ही है कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के ठोस उपाय कब किए जाएंगे? बार–बार यह तथ्य सामने आ रहा है कि भारत में कहीं अधिक सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं और उनमें बड़ी संख्या में लोग जान गंवाने के साथ जख्मी भी हो रहे हैं, लेकिन ऐसे कोई उपाय नहीं किए जा रहे हैं, जिनसे सड़क हादसों पर प्रभावी ढंग से लगाम लगे। तेज गति और नशा करके वाहन चलाने, गलत तरीके से ओवरटेकिंग करने, मोबाइल पर बात करते हुए ड्राइविंग करने और सड़कों पर गड्ढों के कारण सड़क हादसे ज्यादा हो रहे हैं।यातायात नियमों का पालन नहीं हो रहा है। इसकी एक वजह भ्रष्टाचार भी है नागरिकों में भी जागरूकता की कमी है। खासकर युवा असंयमित रूप से वाहन चलाते हैं। सड़क बनाने में भ्रष्टाचार होने और लापरवाही के कारण सड़क जल्दी टूट जाती है। सड़क पर बने गड्ढे हादसे की वजह बनते हैं। देखने मे ये आ रहा है कि यातायात पुलिस लाइसेंस को लेकर सख्त नही है। बिना लाइसेंस के गाडी चलाने वालों पर भारी जुर्माने का प्रावधान होना चाहिए। लाइसेंस बनवाने की प्रक्रिया को थोड़ा सख्त बनाना चाहिए ताकि अपात्र लोग लाइसेंस न बन पाएं। ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने के लिए एक लिखित परीक्षा आयोजित की जाना चाहिए ताकि सभी नियमों और संकेतकों की जानकारी वाहन चालक को हो। भारत में कई ड्राइवर यातायात नियमों का पालन नहीं करते हैं और लापरवाही से गाड़ी चलाते हैं, जिससे वे खुद और दूसरों को जोखिम में डालते हैं। साथ ही लोगों को सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों का पालन करने के के बारे में जागरूक करने के लिए लगातार अभियानों चलाने की आवश्यकता है। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माने के साथ कठोर सजा भी आवश्यक है। भारत के आज तक के युद्धों में जितने सैनिक शहीद नहीं हुए, उससे ज्यादा लोग सड़कों पर दुर्घटना में एक साल में मारे जाते हैं, इसलिए चिंतित सुप्रीम कोर्ट को यहां तक कहना पड़ा कि देश में इतने लोग सीमा पर या आतंकी हमले में नहीं मरते जितने सडकों पर गड्ढों की वजह से मर जाते हैं। पिछले एक दशक में ही भारत में लगभग 14 लाख लोग सड़क दुर्घटनाओं में मारे गए हैं। चूंकि सड़क हादसे रोकने के आवश्यक उपाय नहीं किए जा रहे हैं, इसलिए उनमें मरने वालों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार 2022 में सड़क दुर्घटनाओं में एक लाख 68 हजार लोगों की जान गई। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के मामले में भारत दुनिया में तीसरे स्थान पर है, जबकि अन्य देशों के मुकाबले अपने देश में कहीं कम संख्या में वाहन हैं। इन मौतों का दुष्प्रभाव तो मृतकों के परिवार पर पड़ना स्वाभाविक ही है साथ ही देश की प्रगति भी इन हादसों से प्रभावित होती है। मार्ग दुर्घटनाओं के कारण किसी से छिपे नहीं। यातायात नियमों का उल्लंघन, खटारा वाहन, अकुशल चालक सड़क हादसों के मूल कारण हैं। ये ऐसे कारण नहीं, जिनका निवारण न किया जा सके, लेकिन दुर्भाग्य से इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। परिणाम यह है कि देश के किसी न किसी हिस्से में करीब–करीब प्रतिदिन कोई न कोई बड़ा सड़क हादसा होता है और उसमें लोग मारे जाते हैं अथवा गंभीर रूप से घायल होते हैं। सड़क संरचना और इसके रखरखाव पर ध्यान दिया जाना चाहिए। युवाओं में गति के प्रति आकर्षण से भी सड़क हादसों में वृद्धि हुई है। स्कूल, कॉलेज और कार्यालयों में यातायात नियमों के बारे में जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए। शासन–प्रशासन इन हादसों पर शोक संवेदना जताकर कर्तव्य की इतिश्री तो कर लेता है, लेकिन यह देखने से इनकार करता है कि उन्हें रोका जा सकता है और रोका जाना चाहिए। सड़क दुर्घटनाओं में मरने वाले अधिकांश लोग अपने घर के कमाऊ सदस्य होते हैं। उनके न रहने से परिवार विशेष को ही क्षति नहीं पहुंचती, बल्कि समाज और राष्ट्र भी किसी न किसी रूप में कमजोर होता है। विश्व बैंक के एक आकलन के अनुसार देश का सकल घरेलू उत्पाद अभी जितना है, उसमें हर साल तीन प्रतिशत की और बढ़ोतरी होती, यदि भारत में सड़क दुर्घटनाओं में इतने अधिक लोगों की जान न जाती। सड़क दुर्घटनाओं के लिए सरकार और खराब सड़कों को दोष देना तो आसान है, मगर लोग इस मामले में अपनी जिम्मेदारी से साफ बच निकलते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, भारत में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों में शहरीकरण की तीव्र दर, सुरक्षा के पर्याप्त उपायों का अभाव, नियमों को लागू करने में विलंब, नशीली दवाओं एवं शराब का सेवन कर वाहन चलाना, तेज गति से वाहन चलाते समय हेल्मेट और सीट–बेल्ट न पहनना आदि हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की ''ग्लोबल स्टेटस ऑन रोड सेफ्टी रिपोर्ट 2018'' के अनुसार सड़क हादसों में होने वाली कुल मौतों में 4 प्रतिशत शराब पीकर वाहन चलाने वालों की होती हैं। इसी प्रकार दुर्घटना में मरने वाले पुरुषों की संख्या लगभग 86 प्रतिशत है, जबकि महिलाओं की संख्या लगभग 14 प्रतिशत है। जाहिर है कि महिलाएं अधिक सावधानी से वाहन चलाती हैं। यातायात पुलिस को जागरूकता अभियान के माध्यम से जनकृजन तक सड़क सुरक्षा का संदेश पहुंचाना चाहिए। अभिभावकों का भी यह कर्तव्य है कि वे अपने बच्चों को यातातात नियमों के बारे में जरूर जागरूक करें। नियंत्रित गति सीमा, यातायात नियमों का पालन और शांत दिमाग से वाहन चाल करके हम इस प्रकार के सड़क हादसों से बच सकते है। सड़क सुरक्षा जागरूकता के लिए लगातार अभियान चलाया जाए। यातायात नियमों का सख्ती से पालन करवाया जाए। देश में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को रोकना है तो सबसे पहले जो वाहन चालक निर्धारित गति से तेज चलाए उसका लाइसेंस निरस्त कर उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी होगी। यातायात पुलिस को भी पूरी जिम्मेदारी से काम करना चाहिए।

–स्वतंत्र पत्रकार

पीछे रह गए पेड़

हेमलता म्हस्के

गर्मी तो हर साल आती है लेकिन इस बार पिछले रिकार्ड भी तोड़ गई है। यह हमारी लगातार लापरवाही का नतीजा है। हमने कांक्रीट के जंगल बसाए, ढ़ेर सारे उपकरण लगाए, लेकिन पौधे नहीं लगाए, बल्कि उनको काट डाला। क्या हम अभी भी सचेत नहीं होंगे? बढ़ते तापमान को रोकने के लिए हमें अपनी कोशिशें तेज करनी होंगी। पिछले कई वर्षों के मुकाबले इस बार अप्रैल और मई के साथ जून महीने में इतनी भीषण गर्मी पड़ी है जिससे अब तक के सभी रिकॉर्ड टूट गए हैं। शरीर को झुलसा देने वाली गर्मी, सूरज का बढ़ता पारा और लू के थपेड़ों से न केवल मनुष्य बल्कि पशु–पक्षी और जीव–जंतु सभी का हाल–बेहाल है। सूरज का पारा दिन–प्रतिदिन बढ़ने का मुख्य कारण श्ग्लोबल वार्मिंगश है। पृथ्वी के बढ़ते तापमान को ही श्ग्लोबल वार्मिंगश कहते हैं। पृथ्वी सूर्य की किरणों से ऊष्मा प्राप्त करती है जो वायुमंडल से गुजरते हुए पृथ्वी की सतह से टकराती हैं और धरती को ऊष्मा प्रदान करती है। इंसान की लापरवाही और धन की हवस के कारण वायुमंडल की निचली परत में श्ग्रीन हाउस गैसोंश का आवरण सा बन जाता है। यह आवरण लौटती किरणों के एक बड़े हिस्से को रोक लेता है। ऐसी रुकी हुई किरणें ही धरती के तापमान को बढ़ाती हैं। वायुमंडल में गैसों का एक निश्चित अनुपात माना गया है, लेकिन बढ़ती श्ग्लोबल वार्मिंगश के कारण संतुलन बिगड़ रहा है। पिछले 100 वर्षों में कार्बन डाइ–ऑक्साइड की मात्रा में 24 लाख टन की बढ़ोतरी हुई है, जबकि ऑक्सीजन की मात्रा में 26 लाख टन की कमी आई है। यह असंतुलन मानव सहित पशु–पक्षियों और वनस्पति जगत के लिए बहुत ही चिंताजनक है। अगर हम अभी भी जागरूक नहीं होंगे तो वह दिन दूर नहीं जब हमें घर से बाहर निकलते हुए अपने साथ ऑक्सीजन का एक छोटा सिलेंडर भी ढोकर ले जाना होगा। अनुमान है कि भविष्य में श्ग्लोबल वार्मिंगश के कारण पृथ्वी के तापमान में और बढ़ोतरी होगी और अगर ध्रुव और ग्लेशियर की बर्फ पिघलने लगी तो पूरी पृथ्वी समुद्र के जल से जलमग्न हो सकती है और पृथ्वी पर महाप्रलय भी आ सकती है। भविष्य में संकट को देखते हुए श्ग्लोबल वार्मिंगश को रोकने के लिए हमें पौधे लगाने होंगे। केवल सरकार के भरोसे श्ग्लोबल वार्मिंगश को नहीं रोका जा सकता। अगर हर साल हर परिवार का एक व्यक्ति एक पौधा लगाए तो हम अपने आसपास के 2.5 सेंटीग्रेड फारेनहाइट तापमान को कम कर सकते हैं। इसलिए जरूरी है कि हम मिलकर प्रयास करें, वरना भविष्य में ना केवल हमें, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी कष्ट उठाना पड़ेगा। पेड़ मनुष्यों को ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, कार्बन का भंडारण करते हैं, मिट्टी को स्थिर करते हैं और दुनिया भर में विभिन्न प्रकार के जीवों का पोषण करते हैं। वे हमें उपकरण और आवास के लिए आवश्यक संसाधन भी देते हैं। पेड़ पत्तेदार छाया और नमी से हवा, भूमि और पानी को ठंडा करते हैं। हमारे घरों के पास और हमारे समुदाय में लगाए गए पेड़ तापमान को नियंत्रित करते हैं, और जीवाश्म ईंधन को जलाने से उत्पन्न एयर–कंडीशनिंग और हीटिंग की आवश्यकता को कम करते हैं, जो वायुमंडलीय कार्बन डाइ–ऑक्साइड का एक प्रमुख स्रोत है। पेड़ अनगिनत प्रजातियों के लिए घोंसले बनाने की जगह, भोजन और आश्रय प्रदान करते हैं। पेड़ सभी वन्यजीवों को आश्रय और पोषण देते हैं। प्रकृति इंसान की सबसे बड़ी दोस्त होती है, लेकिन इंसान को प्रकृति की उतनी परवाह नहीं है। इंसान अपने आराम के लिए प्रकृति का बेधड़क इस्तेमाल कर रहा है। पहले जहां जंगल थे, चारों तरफ जहां हरियाली थी, वहां अब हरियाली सिमटती नजर आ रही है और इसका सबसे बड़ा कारण है, इंसान। इंसानों ने अपने इस्तेमाल के लिए पेड़ों की कटाई की और जमीनों की खुदाई की। इसके साथ ही ऐसा वातावरण बनाया जिससे पिछले कुछ सालों में जंगल लगातार कम होते जा रहे हैं। श्भारतीय वन रिपोर्टश के मुताबिक साल 2021 में भारत में 7,13,789 वर्ग किलोमीटर जंगल क्षेत्र था जो पूरे देश के भौगोलिक क्षेत्र का 21.72 प्रतिशत था। इसमें साल 2019 के बाद 1540 वर्ग किलोमीटर की बढ़ोतरी हुई, लेकिन पिछले कुछ सालों में इसमें कमी देखने को मिली, जो एक चिंता का विषय है। दुनिया में सबसे ज्यादा जंगल रूस में हैं। रूस में 815 मिलियन हेक्टेयर से ज्यादा जंगल हैं, जो रूस के पूरे क्षेत्रफल का 45प्रतिशत है। दुनिया के सबसे बड़े जंगल की बात की जाए तो वह दक्षिण अमेरिका में है। दक्षिण अमेरिका का जंगल श्अमेजॉन रेनफॉरेस्टश करीब 65 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। इसे पृथ्वी का फेफड़ा भी कहते हैं क्योंकि यह दुनिया की करीब 20प्रतिशत ऑक्सीजन पैदा करता है। वहीं अगर भारत की बात की जाए तो भारत में सबसे ज्यादा जंगल मध्यप्रदेश में हैं, जो 77,462 वर्ग किलोमीटर में फैले हुए हैं। हमारी जीवन शैली और कुछ लापरवाहियों की वजह से जो ठंडे इलाके माने जाते थे वहां भी अब गर्मी अपना रौद्र रूप दिखा रही है। इसके तुरंत बाद बाढ़ और वर्षा की आपदाओं का सामना करना पडता है। इसके बाद फिर सूखा भी आएगा। खेती बर्बाद होगी। ऐसे में पानी के लिए पूरे देश में हाहाकार होगा। फिर जब ठंड का समय आएगा तो भी उतनी ठंड नहीं होगी जिससे हम महसूस कर सकें कि ठंड का मौसम आ गया है। नदियां सूख रही हैं। दुनिया भर में लाखों लोग गर्मी से मर रहे हैं। इनमें 30 फीसद लोग एशिया के हैं।

मॉस्को में मोदी–पुतिन मुलाकात ने भारत–रूस दोस्ती को फिर से पुख्ता किया

एनी डोमिनी

मास्को और नई दिल्ली ने एक साथ कई उतार–चढ़ाव देखे हैं, चाहे ग्रैंड क्रेमलिन पैलेस या संसद भवन में कोई भी सत्ता में रहा हो। सौभाग्य से, भारत–रूस संबंध अभी भी शासन परिवर्तन निरपेक्ष है।

8–9 जुलाई 2024 को मॉस्को में आयोजित 22वां भारत–रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन भू–राजनीतिक रंगमंच में सबसे स्थायी दोस्ती में से एक को फिर से संवारने में एक लंबा रास्ता तय करेगा। मास्को और नई दिल्ली ने एक साथ कई उतार–चढ़ाव देखे हैं, चाहे ग्रैंड क्रेमलिन पैलेस या संसद भवन में कोई भी सत्ता में रहा हो। सौभाग्य से, भारत–रूस संबंध अभी भी शासन परिवर्तन निरपेक्ष है, और पश्चिम के संयुक्त राज्य अमेरिका के नेतृत्व वाले नियम–आधारित आदेश से लगातार वैचारिक हमलों का सामना कर चुके हैं। भारत और रूस के बीच दो दिवसीय द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन (जो यूक्रेन के मामले में नाटो देशों की शाही बैठक से ठीक पहले हो रहा है) में रूसी संघ के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश का सर्वोच्च राजकीय सम्मान ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोसल प्रदान किया। मोदी और पुतिन ने एक–दूसरे को गर्मजोशी से गले लगाया, हाथ मिलाया और कई मौकों पर एक–दूसरे को श्प्रिय मित्रश कहकर संबोधित किया। यह तथ्य कि मोदी के तीसरे कार्यकाल, जो भले ही कम जनादेश के साथ आया, के बाद रूस उनका पहला अंतरराष्ट्रीय गंतव्य है। यह मॉस्को–नई दिल्ली के सदाबहार रणनीतिक संबंधों के महत्व के बारे में बहुत कुछ कहता है। इसके अलावा, मोदी की नवीनतम यात्रा पांच साल बाद हो रही है। पिछली बार 2019 में व्लादिवोस्तोक में आर्थिक बैठक हुई थी, और फरवरी 2022 में रूस–यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद उनकी पहली यात्रा है। साथ ही इस साल मार्च में हुए रूसी राष्ट्रपति चुनावों में पुतिन की शानदार जीत के बाद भी। महत्वपूर्ण बात यह है कि औपचारिक और अनौपचारिक दोनों खंडों वाली दो दिवसीय बैठक में नेताओं ने आर्थिक और रक्षा संबंधों, व्यापार की मात्रा, ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग, रूस के उत्तरी समुद्री मार्ग को एक साथ विकसित करने, परमाणु ऊर्जा के साथ–साथ अंतरिक्ष और अन्य क्षेत्रों में सहयोग संबंधी मुद्दों की एक विस्तृत सूची तैयार की। 2030 तक की अवधि के लिए रूस–भारत आर्थिक सहयोग के रणनीतिक क्षेत्रों के विकास पर नेताओं के संयुक्त वक्तव्यश में कहा गया है कि मॉस्को और नई दिल्ली पारस्परिक सम्मान और समानता के सिद्धांतों का दृढ़ता से पालन करने, पारस्परिक रूप से लाभकारी और दीर्घकालिक आधार पर दोनों देशों के संप्रभु विकासश के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो दोनों देशों के बीच वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार के गतिशील विकास की प्रवृत्ति को बनाये रखने और 2030 तक इसकी मात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि सुनिश्चित करने की इच्छा से निर्देशित होगा।नेताओं के संयुक्त वक्तव्य के अनुसार, नौ प्रमुख क्षेत्रों में श्द्विपक्षीय आर्थिक सहयोगश किया जाएगा, जिनमें 1. गैर–टैरिफ व्यापार बाधाओं को समाप्त करना,ईएईयू–भारत मुक्त व्यापार क्षेत्र की संभावना, तथा 2030 तक 100 अरब अमेरिकी डालर का परस्पर व्यापार हासिल करनाय 2. राष्ट्रीय मुद्राओं और डिजिटल वित्तीय साधनों का उपयोग करके द्विपक्षीय निपटान प्रणाली का विकासय 3. उत्तर–दक्षिण अंतरराष्ट्रीय परिवहन गलियारे, रूस के उत्तरी समुद्री मार्ग और चेन्नई–व्लादिवोस्तोक समुद्री रेखा के नये मार्गों पर कार्गो कारोबार में वृद्धिय 4. कृषि, खाद्य और उर्वरक में द्विपक्षीय व्यापार में वृद्धिय 5. परमाणु ऊर्जा, तेल शोधन, पेट्रोकेमिकल्स और आपसी ऊर्जा सुरक्षा में सहयोगय 6. बुनियादी ढांचे का विकासय एक दूसरे के बाजारों में भारतीय और रूसी कंपनियां, मूल्यांकन का मानकीकरणय 8. दवा, चिकित्सा और जैव सुरक्षाय और 9. संस्कृति, पर्यटन, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा आदि में मानवीय सहयोग। आर्थिक संबंधों पर ध्यान केंद्रित करने का उद्देश्य व्यापार असंतुलन के मुद्दे को संबोधित करना है, जिसमें भारत–रूस से अधिक आयात करता है, विशेष रूप से तेल और अन्य ईंधन, ताकि यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी प्रतिबंधों से निपटने में रूस की मदद की जा सके। भारत को तरलीकृत प्राकृतिक गैस की आपूर्ति रूसी अर्थव्यवस्था को और बढ़ावा देगी क्योंकि देश यूरोप से अलग होकर प्रभावी रूप से विविधता लाने में सक्षम होगा, जबकि भारत अपनी बढ़ती अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा जो जल्द ही जीडीपी में जापान और जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जायेगी। हालांकि, भारत–रूस का कुल व्यापार अभी भी रूस–चीन व्यापार की मात्रा का लगभग एक तिहाई है, जो 240अरब अमेरिकी डॉलर है। परन्तु व्यापार तेजी से बढ़ रहा है, खासकर रूस–यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद से। रूस टुडे की एक रिपोर्ट के अनुसार, श्रूस और भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार की मात्रा में वृद्धि जारी रही, जो चालू वर्ष के पहले चार महीनों में रिकॉर्ड 23. 1अरब डॉलर पर पहुंच गई, जो 2023 की इसी अवधि की तुलना में 10 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता हैश। सबसे बड़ी चिंताओं में से एक संबंधित राष्ट्रीय मुद्राओं में पारस्परिक भुगतान की एक स्थायी डिजिटल व्यवस्था का निर्माण रहा है, जिसमें रुपया–रूबल विनिमय निपटान में लगातार रुकावटें जारी रही हैं। चूंकि ब्रिक्स देश वैश्विक दक्षिण के लिए डॉलर को कम करने और वैकल्पिक वित्तीय व्यस्था बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जो अमेरिकी डॉलर और उसके साथ जुड़े प्रतिबंधों से दूर जा रहा है, भारत और रूस के लिए आपसी राष्ट्रीय मुद्राओं में खातों का निपटान करना कठिन रहा है। इसके अलावा, रक्षा आपूर्ति में अनजाने में देरी, भारत की सैन्य खरीद में विविधता और स्वदेशीकरण, तथा रूसी सेना में भाड़े के सैनिकों के रूप में भारतीयों की भर्ती के बारे में भ्रमसहित अन्य लंबित मुद्दों को द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन में उचित रूप से संबोधित किया गया है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी ने लंबे समय से चल रहे रूस–यूक्रेन युद्ध के बारे में विनम्रतापूर्वक चिंता व्यक्त की, शांति वार्ता और सैन्य समाधानों पर बातचीत पर जोर दिया, जिसके लिए राष्ट्रपति पुतिन ने उन्हें धन्यवाद दिया।

90 के दशक की एक्ट्रेस सीमा कपूर ने अपनी निजी जिंदगी में कई उतार–चढ़ाव का सामना किया है। उन्हें चाइल्ड एब्यूज, अकेलापन जैसी कई परेशानियों का सामना करना पड़ा था।

शबिदाईश, श्मधुबालाश, श्कुरुक्षेत्रश, श्एक हजारों में मेरी बहना हैश, श्हसरतेंश जैसे कई पॉपुलर टीवी शो में सीमा नजर आ चुकी हैं। एक समय उन्होंने शेखर सुमन के साथ 8 से ज्यादा फिल्में भी साइन की थी। वह फिल्में कभी बनी ही नहीं।

बचपन में मेरा शोषण हुआ

बचपन से ही मैं बदकिस्मत रही हूं। कुछ चुनिंदा बच्चों को जब देखती थी कि कैसे उनके मां–बाप हिम्मत बनकर उनके लिए खड़े होते थे, उस वक्त मुझे बहुत अकेलापन महसूस होता था। मेरे परिवार का माहौल बहुत खराब था।

6 साल की थी जब मेरे माता–पिता अलग हो गए थे। मैं मां के साथ रहती थी। वो बहुत स्ट्रिक्ट थी। वो मुझे बहुत मारती थीं। मैं चाइल्ड एब्यूज की शिकार थी। 12 साल की उम्र में मैं अपने पिता के साथ रहने चली गई थी। उनसे काफी सपोर्ट मिला। मैंने अपने पिता से बहुत कुछ सीखा भी है। सच्चाई यह भी है कि आज थोड़ी बहुत कामयाबी जो हासिल की, उसी के बदौलत कुछ चुनिंदा लोग मुझसे जुड़े हैं। इसी सोच के साथ जीती हूं– श्अब जब इस दुनिया में आ ही गई हूं, तो जीना नहीं छोड़ सकती। जब तक जिऊंगी, हार नहीं मानूंगी।

जब भी दिल टूटता, घर आकर खूब रोती थी

मेरी पर्सनल लाइफ कभी अच्छी नहीं रही है। बुरे वक्त से निकलने के लिए, मैं दिन–रात काम किया करती थीं। एक दिन में 3 से ज्यादा शिफ्ट करती थी ताकि अपनी पर्सनल लाइफ की तरफ फोकस ही ना जाए। 6 साल की उम्र में एक्टिंग शुरू करने वाली बच्ची कब इतनी बड़ी हो गई, समझ ही नहीं आया। रिलेशनशिप में भी कई बार अकेलापन महसूस होता था। जब भी दिल टूटता, घर आकर खूब रोती थी। जब भी प्यार की तलाश में निकलती, अकेलापन ही हासिल होता था। मेरी पर्सनालिटी अब ऐसी हो गई है कि मैं चाहकर भी सबसे बात नहीं कर पाती हूं। ना चाहते हुए भी मैं बहुत रिजर्व हो गई हूं।

बचपन में मां ने पीड़ा दी, टीनएज में धोखा मिला

15 साल की उम्र में मुझे धोखा मिला था। जिससे प्यार किया, वह झूठा निकला। अगर वो किस्सा नहीं होता तो शायद मेरी

लाइफ आज ऐसी नहीं होती। मैं बचपन से ही रिग्रेसिव नेचर की रही हूं। उस वक्त भी बहुत टॉर्चर का सामना करना पड़ा था। बार–बार सोचती थी कि मेरी लाइफ ऐसी क्यों है? बचपन में मां ने पीड़ा दी, टीनएज में धोखा मिला। मुझे सुसाइड के ख्याल आने लग गए थे। उम्र बढ़ती गई लेकिन परेशानी खत्म होने का नाम ही लेती थी। वैसे, भगवान को मैंने अपना थेरेपिस्ट मान लिया था। मुझे खुद पर भरोसा था। इसी विश्वास की बदौलत, आगे बढ़ पाई हूं।

एक्ट्रेस सीमा कपूर ने बताई अपनी दर्दनाक कहानी: बोलीं– चाइल्ड एब्यूज झेला, प्यार में धोखा मिला तो सुसाइड के ख्याल आने लगे, 8 फिल्में हुई थीं बंद

शेखर सुमन के साथ 8–10 फिल्में साइन की थी

चंडीगढ़ में एक–दो रीजनल फिल्म करने के बाद, मैं मुंबई आई थी। करियर की शुरुआत में मैंने शेखर सुमन के साथ 8–10 फिल्में साइन की थी। उस वक्त शेखर हिट एक्टर थे। हालांकि, जब उनकी बैक–टू–बैक 2–3 फिल्में फ्लॉप हुई तो लोगों ने उनके साथ काम करना बंद कर दिया। ये मेरे लिए सेटबैक था। जो फिल्में मैंने साइन की थी वो अचानक से बंद हो गई। मैंने टीवी शो के लिए ऑडिशन देना शुरू कर दिया था। मेरा पहला शो श्किस्मतश ने मेरी किस्मत बदल दी।

ओम पुरी की एक्स पत्नी (सीमा कपूर) से कंफ्यूज होते है

इंडस्ट्री में लोग मुझे ओम पुरी की एक्स पत्नी (सीमा कपूर) से कंफ्यूज होते हैं। वह फिल्म डायरेक्टर हैं। लोग मुझे डायरेक्टर समझकर, मुझसे रोल मांगने के लिए कॉल करते है। मैं थक जाती हूं अपनी असली पहचान बताकर। सच्चाई यह है कि मैं कभी ओम पुरी से मिली तक नहीं हूं। लोगों ने मेरी उनसे शादी भी करवा दी और तलाक भी।

मुझे हीरोः हीरोइन के मां के रोल के लिए ही कॉल आते हैं

प्रोफेशनल लाइफ में मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं। 35 साल के अपने करियर में मुझे कभी काम की कमी नहीं हुई है। बल्कि, अब काम को लेकर थोड़ी चूजी हो गई हूं। इसकी वजह है एक जैसा रोल ऑफर होना। मुझे हीरोः हीरोइन के मां के रोल के लिए ही कॉल आते हैं। मेरा उनसे सवाल होता है कि इसमें क्या अलग होगा? मुझे कुछ चुनौतीपूर्ण करने को मिलेगा? जिसका कोई जवाब नहीं होता है। अब मैं ऐसा किरदार निभाना चाहती हूं जिसमें अलग–अलग शेड्स हो। एक किरदार में मुझे अलग–अलग इमोशन एक्सप्लोर करने को मिले।

ईशा गुप्ता ने साड़ी में दिए किलर पोज, डीप नेक ब्लाउज में दिखीं सुपरहॉट

ईशा गुप्ता लाइट ग्रीन कलर की साड़ी और स्काई ब्लू कलर के डीप नेक ब्लाउज में एक से बढ़कर एक हॉट पोज देती दिखाई दे...

वर्कआउट मोड में नजर आई अवनीत कौर, जमकर फ्लॉन्ट किए एब्स

अवनीत कौर का वर्कआउट लुक है बेहद खास एब्स को जमकर फ्लॉन्ट करती नजर आईं।

ऋतिक रोशन की एक्स वाइफ सुजैन खान पिछले काफी समय से एक्टर अर्सलान गोनी को डेट कर रही हैं। बेटी की लव लाइफ पर उनकी मां जरीन खान ने एक इंटरव्यू में पहली बार बात की है। साथ ही उन्होंने सुजैन के एक्स–हसबैंड ऋतिक के साथ अपनी बॉन्डिंग के बारे में खुलासा किया है। जरीन ने टाइम्स एंटरटेनमेंट को दिए इंटरव्यू में कहा कि वो खुश हैं कि उनकी बेटी सुजैन को ऋतिक से तलाक के बाद अर्सलान में अपना पार्टनर मिल गया। जब जरीन से पूछा गया कि क्या सुजैन और अर्सलान शादी करेंगे तो उन्होंने कहा कि जिंदगी में शादी ही सबकुछ नहीं है। अर्सलान गोनी और सुजैन। अर्सलान गोनी और सुजैन। उन्होंने हॉलीवुड कपल गोल्डी हॉन और कर्ट रसेल का जिक्र करते हुए कहा कि दोनों सालों से रिलेशनशिप में हैं और खुश हैं। जरीन ने आगे कहा कि आजकल की लाइफ में आप लकी हैं कि आप किसी के साथ खुश हैं। अब पहले की तरह शादी करके सेटल होने का ट्रेंड खत्म हो चुका है। जरीन बोलीं, श्अर्सलान और सुजैन खुश हैं और अपने करियर पर फोकस कर रहे हैं।सुजैन और जरीन खान। ऋतिक आज भी मेरे बेटे जैसा हैरू जरीन खान जरीन ने सुजैन के एक्स हसबैंड ऋतिक के बारे में कहा, श्मैं उन्हें बेटा मानती हूं और हमेशा मानती रहूंगी। वो और मेरी बेटी भले ही साथ नहीं लेकिन दोनों एक–दूसरे को बेस्टफ्रेंड मानते हैं। दोनों बच्चों में अच्छे संस्कार डाल रहे हैं और उनकी बेहतरीन परवरिश कर रहे हैं।श 2014 में हुआ था ऋतिक–सुजैन का तलाक ऋतिक की शादी सुजैन खान से साल 2000 में हुई थी। दोनों ने 2014 में एक–दूसरे से तलाक ले लिया था। ऋहान और ऋदानघ्घ्घ्घ दोनों सुजैन और ऋतिक के बेटे हैं। तलाक के बाद दोनों बेटों की कस्टडी सुजैन को मिली। वो और ऋतिक दोनों बच्चों की को–पेरेंटिंग करते हैं।

'एनिमल' के बाद मिलने लगे अच्छे प्रोजेक्ट्स– तृप्ति डिमरी

तृप्ति डिमरी को फिल्म 'एनिमल' से पहचान मिली थी। अब वे अपनी अगली फिल्म 'बैड न्यूज' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उनके साथ विक्की कौशल और एमी विर्क भी लीड रोल में दिखाई देंगे। ये फिल्म 19 जुलाई को रिलीज होने वाली है। करण जौहर इस फिल्म के प्रोड्यूसर हैं। अपनी फिल्म को लेकर तृप्ति ने दैनिक भास्कर से बातचीत की। किस तरह 'बैड न्यूज' की गुड न्यूज मिली ? दरअसल उन दिनों मैंने धर्मा प्रोडक्शन की टैलेंट एजेंसी को जॉइन ही किया था। एक दिन करण सर ने मिलने के लिए बुलाया। उन्होंने आनंद तिवारी सर से मिलवाया। आनंद सर ने फिल्म की कहानी सुनाई तो मैं पूरे टाइम हंसती ही रही। हालांकि उसके बाद उन्होंने कहा कि नरेशन सुन ये मत समझना कि फिल्म में सेलेक्शन हो ही गया। ऑडिशन के बाद अंतिम निर्णय होगा। उसके अगले ही दिन उन्होंने फिल्म के तीन–चार सीन रिकॉर्ड किए। फिल्म में वो सोच भी है कि पैदा करने वाले से बड़ा पालने वाला होता है? बिल्कुल। फिल्म काफी कुछ कहना चाहती है। जो तीन किरदार हैं, उनके निजी सफर हैं। सरल शब्दों में कहूं तो उन किरदारों के जरिए युवा पीढ़ी की सोच जाहिर की गई है। उस दौर से गुजरने वाले युवा जिंदगी में हर कुछ चाहते हैं। प्यार से लेकर करियर में तरक्की और हर जगह जीत ही जीत मिलती रहे। वैसी सोच पर भी एक टेक लिया गया है। यह सब 'एनिमल' से पहले हुआ था? जी हां। ऑडिशन सही लगने पर सभी कलाकारों के साथ काफी वर्कशॉप हुईं। कभी विक्की कौशल के साथ तो कभी एमी विर्क के साथ। रोज हमें कुछ टास्क दी जाती थीं। उससे हमारी हाजिरजवाबी की परीक्षा ली जाती थी ताकि हमारे कॉमिक सेंस का पता चले। दरअसल बहुत साल पहले मैं यू–ट्यूब पर कॉमेडी वाले वीडियोज बनाती भी थी पर फिल्मों में कदम रखने पर वह छूट गया था। इस फिल्म के जरिए फिर से कॉमेडी करने का मौका मिला है। 'एनिमल' के बाद लगातार कितने ऑफर्स आ रहे हैं? मैंने गिना तो नहीं है। मगर हां अब एयरपोर्ट वगैरह पर जाती हूं तो वहां लोग पहचानने लगे हैं। वो अच्छा लगता है। सौभाग्य से अच्छी–अच्छी फिल्में भी आईं हैं। उनमें से चार तो इसी साल रिलीज होंगी। 'एनिमल' के बाद एक ग्रोथ भी हुई है। अच्छी बात है कि लोग अब मुझे अलग–अलग जॉनर की फिल्में भी ऑफर कर रहें हैं, वरना स्टीरियोटाइप वाले भी आसार बन गए थे। आउटसाइडर्स को क्या टिप्स देना चाहेंगी? हर किसी के मामले में एक ही फॉर्मूला तो नहीं चलेगा। खुद पर भरोसा रखिए। अगर लो फेज है, तो उसमें धैर्य रखिए। वह दौर गुजर जाएगा।

वरना आज की तारीख में सही एक्टर्स के लिए बहुत काम है। खासकर ओटीटी के चलते सही और नए एक्टर्स के लिए काम की कमी नहीं। 'लापता लेडीज' जैसी मिसालें देखिए। वहां ज्यादातर नए चेहरे हैं पर उन्होंने क्या खूब काम किया। नतीजा उनको मिल रही लोकप्रियता से देख लें। उन जैसों की कामयाबी से जाहिर है इंडस्ट्री में टैलेंट की कद्र है।

मोनालिसा ने शिमरी साड़ी में दिए बिंदास पोज, एक–एक अदा है किलर

मोनालिसा का ट्रेडिशनल लुक फैंस को काफी पसंद आ रहा है और वो उनकी तारीफ करते नहीं थक...

अगर आप घर पर इंस्टेंट इडली बनाना चाहती हैं, तो आप पोहे के इस्तेमाल से इडली बनाकर तैयार कर सकती हैं। पोहे की इडली बनाना काफी ज्यादा आसान होता है। बल्कि यह दाल–चावल की इडली से ज्यादा आसान होता है।

दक्षिण भारत के खाने का स्वाद हर कोई पसंद करता है। जब भी हेल्दी खाने की बात होती है, तो उसमें दक्षिण भारत के फेमस खाने का जिक्र होता है। खासतौर पर इडली–डोसा लोगों की पहली पसंद है। बड़े–बड़े सिलेब्रिटी भी ब्रेकफास्ट में इडली या डोसा खाना पसंद करते हैं। यह खाने में जितना स्वादिष्ट होता है, उतना ही बनाने में भी आसान होता है। इसको पारंपरिक तरीके से बनाने के लिए उड़द की दाल और चावल की जरूरत पड़ती है।

ऐसे में अगर आप घर पर इंस्टेंट इडली बनाना चाहती हैं, तो आप पोहे के इस्तेमाल से इडली बनाकर तैयार कर सकती हैं। पोहे की इडली बनाना काफी ज्यादा आसान होता है। बल्कि यह दाल–चावल की इडली से ज्यादा आसान होता है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको घर पर स्वादिष्ट पोहे की इडली बनाने का आसान तरीका बताने जा रहे हैं। जिससे कि आप भी इसको बनाकर परिवार के साथ स्वाद ले सकें।

पोहे से इडली बनाने की सामग्री

पोहा – 1 कप

सूजी – 1 कप

दही – 1 कप

नमक – स्वादानुसार

ईनो – 1 छोटा चम्मच

तेल (सांचे में लगाने के लिए)

विधि

पोहे की इडली बनाने के लिए सबसे पहले पोहे को अच्छे से धो लें। फिर करीब 10 मिनट के लिए पोहे को पानी में भिगो दें। फिर पानी से निकालकर पोहे को पीसकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। अब एक बड़े बर्तन में पेस्ट के साथ सूजी और दही को मिक्स कर लें। अब अच्छे से मिक्स कर एक गाढ़ा बैटर बनाकर तैयार करें। अगर यह ज्यादा गाढ़ा हो जाए, तो इसमें थोड़ा सा पानी मिक्स कर लें।

अब बैटर को 15–20 मिनट के लिए ढककर रख दें। जिससे कि सूजी अच्छे से फूल जाए। फिर करीब 20 मिनट बाद बैटर में नमक मिलाएं और इडली का स्टीमर तैयार करें। अब गैस पर स्टीमर में पानी भरकर चढ़ा दें, जिससे कि पानी अच्छे से खौल जाए। वहीं साथ ही इडली के सांचे में हल्का–हल्का तेल लगा लें।

जब स्टीमर तैयार हो जाए और पानी उबलने लगे तो बैटर में ईनो मिक्स कर लें। ईनो डालने से बैटर फूलने लगेगा। फिर इडली के पूरे सांचे में बैटर डालें, लेकिन इस दौरान इस बात का ध्यान रखें कि इडली वाला सांचा पूरी तरह से न भरे।

इसके बाद स्टीमर को मीडियम आंच पर 10–15 मिनट तक स्टीम करें। बीच–बीच में आप टूथपिक या चाकू की मदद से इडली को चेक करते रहें। अगर यह पूरी तरह से साफ निकल आती है, तो इसका मतलब है कि इडली बनकर तैयार है। अब आप इसको सांभर के साथ परोसकर खा सकते हैं।

वर्किंग वुमन अक्सर अपनी बिजी लाइफस्टाइल के कारण खाने पर ध्यान नहीं दे पाती हैं। इससे उनकी हेल्थ पर बहुत ज्यादा असर पड़ता है। रोजमर्रा की बिजी लाइफस्टाइल में ज्यादातर महिलाओं को अपने लिए समय नहीं मिल पाता है। खासकर ॅवतापदह वीमेन के लिए घर और ऑफिस को संभालना काफी मुश्किल टास्क होता है। हालांकि वर्किंग वुमन अगर चाहें तो कुछ आसान तरीकों की मदद से ना सिर्फ घर और बाहर की जिम्मेदारियों के बीच में अपना खास ख्याल रख सकती हैं, बल्कि खुद को फिट और हेल्दी भी बना सकती हैं। आज हम आपको बताएंगे कि वर्किंग वुमन कैसे हेल्थ केयर टिप्स को रोजाना फॉलो करके अपनी हेल्थ को बेहतर बना सकती हैं। चलिए जानते हैं इन हेल्थ केयर टिप्स के बारे में।

वर्कआउट या योगा के लिए समय निकालें

आपको वर्कआउट या योगा करने के लिए 30 से 40 मिनट तक के लिए समय जरूर निकालना चाहिए। योगा करना या फिर ध्यान लगाना सबसे अच्छी प्रक्रिया मानी जाती है इससे आप लंबे समय तक फिट रहती हैं और वर्कआउट करने से शरीर में ऊर्जा की एक प्रणाली भी बन जाती है। अगर आप बहुत अधिक समय योग या वर्कआउट के लिए नहीं निकाल पाती हैं तो आपको शुरुआत के दिनों में कम से कम 5 मिनट का समय निकाल कर योग या फिर वर्कआउट जरूर करना चाहिए।

भरपूर पानी पिएं

वर्किंग वुमन अक्सर काम में उलझ कर समय पर पानी पीना भी भूल जाती हैं। जिससे आप डिहाइड्रेशन का शिकार हो सकती है। इसलिए काम के दौरान बीच–बीच में पानी जरूर पीएं। वहीं दिन में 8–10 गिलास पानी पीकर आप खुद को हाइड्रेट और एनर्जेटिक रख सकती है।

नींद है जरूरी

आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि आपके शरीर के लिए नींद भी बहुत जरूरी है। जल्दी सोने के बाद अगर हम सुबह जल्दी उठ भी जाते हैं तब भी हमारी नींद पूरी हो जाती है। एक्सपर्ट का कहना है कि श्हमें जितने घंटे की नींद लेनी चाहिए उतने घंटे की नींद हमारे शरीर को जब मिल जाती है। जिससे हमारे शरीर की विभिन्न प्रक्रियाएं भी सही ढंग से होती हैं। समय पर सोने और समय पर उठने से ना सिर्फ शारीरिक लाभ मिलते हैं बल्कि इससे कई मानसिक लाभ भी मिलते हैं।

रिलैक्सिंग थेरेपी ट्राई करें

वर्किंग वुमन को काम के दौरान अक्सर थकान महसूस होने लगती है। ऐसे में आप काम से 20 सेकंड का ब्रेक लेकर आंखों को रिलैक्स कर सकती है। साथ ही हर 20 मिनट बाद वॉक करके आप बैक पेन की तकलीफ से भी बच सकती हैं।

डाइट का रखें ध्यान

अगर आप हर रोज अपने काम को लेकर बहुत अधिक बिजी रहती हैं तो आपको भूख लगने पर जंक फूड खाने की जगह फल, न्यूट्रिएंट्स रिच चीजों को ही खाना चाहिए। इससे आपको शरीर में पोषण की कमी नहीं होगी और आप फिट और हेल्दी भी रहेंगी।

मानसून में बालों की एक्स्ट्रा केयर बेहद जरूरी है। इन दिनों में अगर आप भी बालों को बांधकर रखती हैं, तो इससे बालों को कई तरह के नुकसान झेलने पड़ते हैं। जानें गीले बालों को बांधने के नुकसान और उससे बचने के टिप्स। मानसून के दिनों में बार बार बारिश की फुहारों से गीले बालों की समस्या का सामना करना पड़ता है। दरअसल, बरसात के बाद मौसम में बढ़ने वाली ह्यूमिडिटी (िनउपकपजल) से बालों में दुर्गंध और मॉइश्चर एकत्रित होने लगता है, जो हेयर फॉलिकल्स को प्रभावित करता है। ऐसे में बालों की एक्स्ट्रा केयर करना बेहद जरूरी है। मानसून के दिनों में अगर आप भी बालों को बांधकर रखती हैं, तो इससे बालों को कई तरह के नुकसान झेलने पड़ते हैं। जानें गीले बालों को बांधने के नुकसान और उससे बचने के टिप्स भी। बारिश में बालों के भीगने के बाद बंधे हुए बालों में दुर्गंध, बैक्टीरिया और सीबम सिक्रीशन बढ़ने का सामना करना पड़ता है। बरसात का पानी बालों की जड़ों को कमजोर बनाकर भ्पत सिस का कारण साबित होता है। इस समस्या से राहत पाने के लिए हेयरवॉश और हेयर ऑयलिंग बेहद जरूरी है। साथ ही बालों को सुखाने के लिए हीटिंग टूल्स की जगह नेचुरल तरीके से सुखाने का प्रयास करें। जानते हैं मानसून में गीले बाल बांधने के नुकसान के बारे में।

1 बालों का टूटना और झड़ना

बरसात के मौसम में हवा में नमी का स्तर अधिक होता है। ये स्कैल्प के अलावा बालों के शाफ्ट पर पॉल्यूटेंटस और डस्ट पार्टिकल्स को जमा देती है। इसका प्रभाव हेयर फॉलिकल्स पर दिखने लगता है और उनमें कमजोरी बढ़ जाती है। इससे मानसून के दौरान बालों के झड़ने की समस्या का सामना करना पड़ता है।

2 चिपचिपाहट का बढ़ जाना

बरसात के पानी के संपर्क में आने से बालों में मॉइश्चर लॉक हो जाता है और स्कैल्प पर बैक्टीरिया (बंसच इंबजमतपं) का खतरा बढ़ जाता है। इसके कारण इचिंग, दुर्गंध की समस्या और बालों में चिपचिपाहट बढ़ने लगती है। बालों को धोने के बाद भी बालों में स्टिकीनेस मौजूद रहती है। इसके अलावा बालों में घुंघरालापन बढ़ जाता है।

3 स्कैल्प इचिंग

बारिश से न केवल बालों में गीलापन रहता है बल्कि स्कैल्प पर डेंड्रफ की समस्या भी बढ़ जाती है। ह्यूमिडिटी के चलते स्कैल्प का रूखापन डेंड्रफ का कारण साबित होता है। दरअसल, स्कैल्प पर स्किन सेल्स एकत्रित होकर फ्लेक्स का स्प ले लेते हैं, जो डेंड्रफ का कारण साबित होते हैं।

अब जानते हैं मानसून में कैसे करें बालों की केयर

1 गीले बालों को न बांधे

मौसम में मौजूद नमी से बालों का बचाव करने के लिए गीले बालों को बांधने से बचें। इससे हेयर फॉलिकल्स कमजोर हो जाते है और बालों का टूटना व झड़ने की समस्या से दो चार होना पड़ता है। हेयरलॉस और मौसमी सर्दी खांसी से बचने के लिए बालों को गीला न रहने दें।

2 हेयरवॉश है जरूरी।

बारिश में बाल भीगने के बाद उन्हें बैक्टीरिया और डेंड्रफ से बचाने के लिए केमिकल युक्त शैम्पू की जगह नेचुरल शैम्पू का प्रयोग करें। इसके अलावा वे लोग जो ऑयली हेयर प्रॉब्लम से परेशान हैं, उन्हें जेल बेस्ट शैम्पू का प्रयोग करना चाहिए। इसके अलावा नेचुरल हेयर मास्क भी हेयर क्लीनिंग के लिए बेहद कारगर हैं। बालों को रोजाना धोने से बचना चाहिए, अन्यथा हेयरफॉल की समस्या बढ़ने लगती है।

3 बालों की मसाज करें

मॉश्चराइजिंग और एंटी बैक्टीरियन प्रॉपर्टीज से भरपूर नारियल के तेल को बालों पर लगाएं और कुछ देर मसाज करें। इससे ब्लड सर्कुलेशन नियमित होने लगता है और बालों का रूखापन भी दूर होने लगता है। वे लोग जिन्हें फ्लेकी स्कैल्प का सामना करना पड़ता है, उनके लिए ये कारगर उपाय है। 30 मिनट तक बालों में तेल को अप्लाई करने के बाद नेचुरल शैम्पू से बालों को वॉश करें और माइल्ड कंडीशनर अप्लाई करें।

चिकन लवर के लिए हम एक ऐसी रेसिपी लेकर आए, जिसे खाकर उनको मजा आ जाएगा। एक बार इस चिकन करी को खाकर चिकन कोरमा को भूल ही जाओगे। आइए आपको इसकी रेसिपी बताते हैं।

चिकन खाने के शौकीन के लिए हम लेकर आए हैं गजब स्टाइल की चिकन करी जिसे खाकर आप सभी उंगलियां चाटते रह जाओगे। एक बार इसे बना लिया तो सब आपसे इसकी रेसिपी जरुर मांगेंगे। चिकन करी की यह डिश एकदम हटके हैं जिसे खाकर आप चिकन कोरमा को भूल जाओगे। बिना देर किए आपको बताते हैं, इसे कैसे बनाएं। इस रेसिपी को सेफ आशोक द्वारा बनाई गई हैं

चिकन करी बनाने की सामग्री

– 200 ग्राम चिकन

– 5 प्याज

– चम्मच अदरक–लहसुन का पेस्ट

– 3 टमाटर

– 1 चम्मच हल्दी पाउडर

– 1 चम्मच कश्मीरी मिर्च पाउडर

– 1 चम्मच लाल मिर्च पाउडर

– 2 चम्मच धनिया पाउडर

– 1 चम्मच जीरा पाउडर

–1 चम्मच कटी हुई हरी मिर्च

– 1ध्2 चम्मच कस्तूरी मेथी

– 1ध्2 गरम मसाला पाउडर

– कटा हुआ धनिया

चिकन करी बनाने का तरीका

– एकदम नए स्टाइल बनाएं चिकन करी। इससे चिकन की ग्रेवी बढ़िया बनेंगी। सबसे पहले आप 200 ग्राम चिकन को धो लें और जो बड़े पीस हैं उन में कट लगा लें।

– इसके बाद चिकन को मैरीनेट करने के लिए एक चम्मच नामक डालें, थोड़ा सा हल्दी पाउडर डालें। फिर इसमें लाल मिर्च का पाउडर एड करें। इसके बाद इसे मिक्स कर लें। 10 मिनट तक इसे रखें रहने दें।

– इसके बाद 4 बड़े प्याज को स्लाइस में कट कर लें। फिर टमाटर की प्यूरा बना लें। एक बाउल में सारे मिर्च–मसाले मिक्स करके पानी डाल दें। इसे मसाले ढंग से पकता है।

– कड़ाही में तेल डाले, जब तेल गर्म हो जाए प्याज डालें। गैसे को मीडिय को रखें। प्याज भूनने के बाद उसे निकाल लें। अब उस ऑयल में मैरीनेट वाला चिकन डालें और इसे हाई गैस पर फ्राई होने दें। इसके बाद इसे निकाल के साइड में रख लें।

– अब कड़ाही में बचें हुए तेल में 2 तेजा पत्ता, 2 बड़ी इलायची एड करें। साथ ही में छोटी इलायची, लॉन्ग, और काली मिर्च डालें। फिर इसमें 1 चम्मच जीरा डालें, फिर इसमें अदरक लहसुन का पेस्ट डालें गोल्डन होने तक पकाएं।

– अब इसमें टमाटर की प्यूरी डालें और नमक स्वादनुसार डालें। अब गैस को हाई कर दें। टमाटर को पकने दें। इसके बाद जो फ्राई प्याज जो रखें हुए है उनको मसाल कर डालें। इसके बाद जो कटोरी में मसाले भिगोए रखे हुए थे उसे इसमें डाल दें और 1 कटोरी पानी डालें। अब इसमें फ्राई चिकन एड कर दें। इसके बाद कम गैस पर इसे 4 मिनट तक पकने दें। जब यह ड्राई हो जाए उसके बाद फैंटा हुआ दही डाल दें। याद रहे दही खट्टा न हो। इसके बाद 5 मिनट के बाद गैस बंद कर दें और धनिया डालकर गर्मा–गर्म परोसे।

एनयूजे प्रयागराज की बैठक मे पत्रकार सुरक्षा तथा पत्रकारहित पर चर्चा हुई

विशेषरूप से आमंत्रित संयोजक कमल संरक्षक पवन तथा संरक्षक परवेज बैठक मे मौजूद रहे

सदस्यता अभियान निगरानी कमेटी तथा समन्वय कमेटी का गठन

संगठन का विस्तार तथा सदस्यता अभियान की समीक्षा की गयी

प्रयागराज। आज नेशनल यूनियन जर्नलिस्ट आई प्रयागराज इकाई की मासिक बैठक शहर समता कार्यालय कर्नलगंज मे सम्पन्न हुआ । बैठक विशेषरूप से आमंत्रित संगठन के जिला संयोजक कमल कुमार श्रीवास्तव जिला संरक्षक पवन दिवेदी तथा

जिला संरक्षक परवेज आलम उपस्थित रहे । बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव ने की संचालन जिला महामंत्री राजीव सिंह ने की ।बैठक मे पत्रकार..हित तथा पत्रकार सुरक्षा पर विस्तृत चर्चा हुई किसी भी पत्रकार पर गलत तरीके से कार्यवाही पर संगठन पुरजोर बिरोध करेगा पत्रकारो के हर समस्या हल कराने के लिए संगठन अहम भूमिका निभाएगा । हर पत्रकारो की हित की रक्षा करेगा । साथ ही संगठन दूारा चलाए जा रहे सदस्यता अभियान की समीक्षा की गयी सदस्यता अभियान के निगरानी के लिए एक कमेटी गठित की गयी जिसमें संरक्षक परवेज आलम अखिलेश शुक्ला इरफान खान तथा पंकज साहूँ नियुक्त किए गए । प्रशासन तथा मीडिया के बीच समन्वय कमेटी का गठन किया गया जिसमे संरक्षक पवन दिवेदी सुधाकर पान्डेय आमिर अंसारी को नियुक्त किया गया । अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव ने कहा कि पत्रकार हित तथा सुरक्षा से कोई समझौता नही होगास बेठक मे सभी पदाधिकारियो तथा सदस्यो को महामंत्री राजीव सिंह ने धन्यवाद तथा आभार ब्यक्त किया । बैठक मे कमल कुमार श्रीवास्तव पवन दिवेदी परवेज आलम उमेश श्रीवास्तव जिया सिदीकी अभय शंकर पान्डेय सुधाकर पान्डेय संतोष सिह धमेद्रं श्रीवास्तव राजीव सिह अखिलेश शुक्ला इरफान खान सौरभ कुमार आदर्श रंजीत निषाद आमिर अंसारी मधुर दरबारी मिथिलेश त्रिपाठी असद कुरैशी आदि लोग उपस्थित थे।

कई वाहनों का हुआ चालान

प्रयागराज ।करमा पुलिस चौकी अंतर्गत चौराहे से पास में पुलिस चौकी प्रभारी प्रीत पांडे एवं समस्त स्टॉप द्वारा शाहिद नगर चौराहे पर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया जिसमें कई वाहनों का चालान भी किया ।और कई लोगो को बिना हेलमेट के भी पकड़ा गया ।कई लोगो को शक्त हिदायत देकर छोड़ा गया सदरोगा अरविंद सिंह कांस्टेबल महेंद्र सिंह विनीत सिंह कुलदीप ।रमेश यादव आदि समस्त स्टॉप मौजूद रहे।

ड्रेसिंग के बहाने आपरेशन रूम में ले जाकर अस्पताल संचालक ने किशोरी से किया दुष्कर्म

प्रतापगढ़ पट्टी। आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के ढकवा बाजार में खुले आशीष हॉस्पिटल एंड सर्जिकल सेंटर के संचालक ने ड्रेसिंग के बहाने आपरेशन कक्ष में लेजाकर किशोरी से दुष्कर्म किया। दुष्कर्म की घटना किशोरी ने साथ लेकर गई मॉ को बताया। किशोरी के पिता की तहरीर पर दुष्कर्मी के खिलाफ मामला दर्ज कर पुलिस तलाश में जुटी है। आसपुर थाना क्षेत्र के सोनपुरा निवासी आशीष कुमार यादव ढकवा बाजार में आशीष हास्पिटल एंव सर्जिकल सेंटर खोल रखा है। शुक्रवार की शाम ढखबा बाजार की एक किशोरी अपनी मॉ के साथ पैर में लगे चोट के घाव की ड्रेसिंग कराने पहुंची। अस्पताल संचालक आशीष किशोरी के मां को बाहर बैठने को कहकर किशोरी को ड्रेसिंग रूम में ले जाकर अंदर से बंद कर लिया। बहसी ने किशोरी के साथ दुराचार किया। किसी से न बताने के लिए हर सुख सुविधा देने के साथ धमकी भी दी। किशोरी ने रोते हुए घटना की जानकारी बाहर बैठी मॉ को दिया तो दुष्कर्मी अस्पताल बंदकर वहॉ से भाग निकला। किशोरी की साथ हुए घटना की तहरीर पिता ने आसपुर देवसरा थाने पहुंचकर दी। सूचना पर हड़कंप मच गया। पट्टी सीओ आनन्द कुमार राय ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस आरोपी के खिलाफ विभिन्न गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। आरोपी जल्द ही पुलिस शिकंजे में होगा।

बिना लाइसेंस पटाखा डंप किये तीन व्यापारी भेजे गये जेल

रामगंज बाजार में पटाखा विस्फोट से हरकत में आई पुलिस

प्रतापगढ़। रानीगंज पुलिस ने अवैध रूप से डंप किये तीन पटाखा व्यापारियों को गिरफ्तार कर शनिवार को जेल भेज दिया। आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के रामगंज बाजार में एक सप्ताह पूर्व किराये के मकान में अवैध पटाखा डंप किया गया था। सुबह हुए भयानक विस्फोट से मकान का छत उड़ गया और हादसे में एक लड़की बुरी तरह घायल हुई थी। जॉच के बाद एसपी ने कार्यों में लापरवाही बरतने पर रामगंज चौकी इंचार्ज समेत पूरी पुलिस चौकी में तैनात सभी पुलिसकर्मियों को शुक्रवार को निलंबित कर दिया था। घटना को देखते हुए एसपी डा0 अनिल ने अवैध पटाखा व्यापारियों पर नकेल कसने के आदेश दिया। जिसके क्रम में रानीगंज के दरोगा दीपक कुमार की अगुवाई में टीम ने शनिवार को थाना क्षेत्र के लच्छीपुर मस्जिद के सामने बने मकान में छापा मारा।

विश्वनाथ चारिआलि प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति के कार्यकारिणी सभा आयोजित

केंद्रीय हिंदी निदेशालय ,भारत सरकार द्वारा हिंदीतर भाषी हिंदी नवलेखक शिविर संस्थान में 25 जुलाई को

सभा में हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए विशेष प्रस्ताव लिए गए

विश्वनाथ ,असम । हिंदी भाषा के प्रचार–प्रसार तथा हिंदीतर भाषी के बीच हिंदी साहित्य के विकास में लगे असम के अग्रणी स्वैच्छिक संस्थान विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति की आज कार्यकारिणी सभा प्रातः 11 बजे संस्थान के कक्ष में आयोजित हुई। संस्थान की सचिव संतोष कुमार महतो जी द्वारा उपस्थित पदाधिकारी तथा सदस्यों का स्वागत कर बैठक का शुभारंभ किया गया ।संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष सूर्यनारायण पाण्डेय के अध्यक्षता में आयोजित कार्यकारिणी सभा में कवि व वरिष्ठ हिंदी सदस्य मरू की।

जमीर और उपाध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता को मंचासीन कराया गया। इसके बाद सचिव संतोष कुमार महतो ने सभा का उद्देश्य व्याख्या जिसमें हिंदी भाषा के प्रचार–प्रसार के लिए विशेष प्रस्ताव तथा आगामी 25 जुलाई से 29 जुलाई तक केंद्रीय हिंदी निदेशालय, उच्चतर शिक्षा,शिक्षा मंत्रालय ,भारत सरकार द्वारा आयोजित हिंदी नवलेखक शिविर के संदर्भ में था ।इसके बाद हिंदी भाषा के प्रचार –प्रसार के लिए आगामी कार्ययोजना तथा हिंदीतर भाषी हिंदी नवलेखक शिविर के ऊपर विस्तृत रूप से चर्चा हुई जिसमें उपाध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता,कवि जमीर अहमद ने कहा इस शिविर को बहुत व्यस्थित ढंग से करने को तथा हिंदीतर भाषा भाषी के बीच ले जाना चाहिए ।उपस्थित साहित्य सचिव मदन गोपाल साहू, सुधन साहनी और सदस्या गीता वर्मा , वंदना दास ने खुशी जाहिर करते हुए कहा हमारे संस्थान के लिए गौरव का विषय है कि विश्वनाथ जिला में दूसरे बार केंद्रीय हिंदी निदेशालय ,शिक्षा मंत्रालय द्वारा हिंदीतर नवलेखक शिविर होने जा रहा है ।इस कार्यक्रम में हिंदी के विद्वान –विदुषी पहुँच कर हिंदीतर भाषा भाषी प्रतिभागियों को हिंदी साहित्य के विभिन्न विधा पर डालेंगे ।कार्यक्रम का रूपरेखा के ऊपर चर्चा हुईद्य अंत में सभा के अध्यक्ष सूर्यनारायण पाण्डेय ने इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक करने के लिए सहायता और सहयोग की कामना की और राष्ट्रगान के साथ सभा भंग की गई।

भयहरणनाथ धाम में सावन मेला के मददेनजर एसडीएम ने जारी किया आदेश

सम्बन्धित विभागों तथा जिम्मेदारों को सुव्यवस्था व प्रबन्धन के सख्त निर्देश जारी

सीओ को अस्थाई पुलिस चौकी तथा सीएमओ को स्वास्थ्य शिविर लगाने के निर्देश

नागपंचमी के अवसर पर घुघुरी लोक उत्सव 9 अगस्त को

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरणनाथ धाम में जिलाधिकारी संजीव रंजन व पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार के मार्गदर्शन में आगामी 22 जुलाई से 19 अगस्त 2024 तक भव्यता व सुव्यवस्था के साथ सावन मेला व 9 अगस्त को लोक उत्सव घुघुरी का भव्य आयोजन होगा। इस सम्बन्ध में उपजिलाधिकारी सदर ने 11 जुलाई को पत्रांक सं0 2259 द्वारा सभी सम्बन्धित विभागों, अधिकारियों तथा जिम्मेदार व्यक्तियों को आदेश जारी किए है।

यह जानकारी देते हुए भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के महासचिव समाज शेखर ने उक्त आदेश के क्रम में सभी सम्बन्धितों से समन्वय स्थापित कर सभी व्यवस्थाओं को समय से पूर्ण कराने हेतु प्रयासरत हैं। उप जिलाधिकारी सदर ने कटरा गुलाब सिंह से धाम तक के मुख्य मार्ग व पुरेतोरई से जाने वाले बैकल्पिक मार्ग को दुरूस्त करने की जिम्मेदारी लोक निर्माण विभाग को दिया है। साथ ही नगर पंचायत को निर्देश है कि पटरी पर हुए गडढों तथा बकुलाही नदी पर बने पुलिया के दोनों तरफ आवश्यकतानुसार मिटटी डाल कर समतल किया जाए। वही तहसीलदार सदर तथा अधिशाषी अधिकारी नगर पंचायत को स्पष्ट निर्देश दिया गौरा से नदी किनारे से आने वाले मार्ग में मिटटी कट गई है उसे दुरूस्त कराने के साथ ही पूरैबैष्णव के चकमार्ग खाता सं0 470 से अतिक्रमण हटाकर रास्ता बहाल करने का निर्देश दिया है। धाम परिसर में उत्तम साफ सफाई व अस्थाई व मोबाइल शौचालय की स्थापना व संचालन के साथ शिफट वाइज सफाई कर्मियों की डयूटी लगाने कि निर्देश दिए गए हैं।

क्षेत्राधिकारी सदर व थानाध्यक्ष जेठवारा को सावन मेला के दौरान अस्थाई पुलिस चौकी की स्थापना व संचालन पर्याप्त पुलिस बल, महिला पुलिस व पी0ए0सी0 के साथ आवश्यक सुरक्षा प्रबन्ध के निर्देश जारी किए है। वहीं कन्ट्रोल रूम के माध्यम से कार्यकर्ता व पुलिस की सुव्यवस्था , पार्किंग आदि व्यवस्था करने को कहा है। मुख्य मन्दिर के सामने तथा मुख्यमार्ग पर आवागमन हेतु स्थान खाली रखने के निर्देश दि हैं। मेला अवधि में अस्थाई स्वास्थ्य शिविर तथा 108 एम्बुलेन्स की सुव्यवस्था करने का निर्देश स्वास्थ्य विभाग को दिया है। बिजली विभाग को 2 कर्मचारियों के साथ उपस्थित रहकर उत्तम प्रकाश व्यवस्था के निर्देश दिए है। तारों और खम्भों को दुरूस्त करने के निर्देश दिए है। जल निगम को मुख्य पर्वों पर टैंकर के साथ सभी हैन्डपम्प की मरम्मत व आवश्यकतानुसार रिबोर के आदेश दिए हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक को एनसीसी व स्काउट के कार्यकर्ता लगाने तथा महासचिव समाज शेखर के सहयोग से अवैध वसूली आदि पर प्रभावी नियंत्रण के आदेश उपजिला मजिस्टेट द्वारा जारी कर सभी से समय से कार्य पूर्ण कर अपनी जिम्मेदारी निभाने निर्देश दिया गया है।

9 अगस्त को नागपंचमी के अवसर पर घुघुरी लोक उत्सव के आयोजन हेतु जिला सूचनाधिकारी व महासचिव भयहरणनाथ धाम को निर्देश देते हुए विकास विभागों के जागरूकता परक आयोजन कराने को निर्देशित किया है।

असम नेपाली साहित्य सभा विश्वनाथ जिला समिति के सौजन्य तथा विश्वनाथ नगर शाखा के आतिथ्य में मना आदिकवि भानुभक्त आचार्य की 211 वां जन्मजयंती

गरिमामय कार्यक्रम में साहित्यकार लक्ष्मीकांत शर्मा के आदिकवि भानुभक्त आचार्य के साहित्यत एभूमूकि पुस्तक का लोकार्पण

विश्वनाथ, असम। असम नेपाली साहित्य सभा विश्वनाथ जिला समिति के सौजन्य तथा विश्वनाथ नगर शाखा के आतिथ्य में विश्वनाथ के अग्रणी शैक्षिक संस्थान ज्ञान भारती स्कूल के सभाकक्ष में आदिकवि भानुभक्त आचार्य की 211 वां का जन्मजयंती धूमधाम से मनाया गया। सर्वप्रथम गरिमामयी कार्यक्रम में प्रातः 10रू30 बजे अनेसास विश्वनाथ जिला समिति के अध्यक्ष हेमकुमार गौतम ने ध्वजारोहण किया। इस गरिमामय कार्यक्रम का जिला समिति महासचिव राम दालाल के संचालन में आयोजित ध्वजारोहण गीत प्रेम विश्वकर्मा के नेतृत्व में हुआ ।इसके बाद अपराह्न 12रू30 बजे साधारण सभा का आयोजन किया गया, जिसमें सभा का अध्यक्षता अनेसास विश्वनाथ जिला समिति के अध्यक्ष हेमकुमार गौतम ने किया। इसके बाद अतिथियों को मंचासीन कराया गया और उन्हें सम्मानित किया गयाद्द। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में साहित्यकार टिकाराम उपाध्याय ने और निर्दिष्ट वक्ता के रूप में विश्वनाथ नगर के समाज सेवक गोपाल उपाध्याय ने भानुभक्त आचार्य का जीवन वृत्तांत और किर्ति पर वक्तव्य रखा ।अनेसास विश्वनाथ नगर शाखा के प्रेम विश्वकर्मा के संचालन में द्वारा स्वागत गीत(कोरास)प्रस्तुति दी गई ।स्वागत भाषण विश्वनाथ नगर शाखा के अध्यक्ष डॉ.भक्त प्रसाद गौतम ने दी। सभा में उपस्थित अतिथियों ने आदिकवि भानुभक्त आचार्य के जीवनी व नेपाली साहित्य पर विस्तार पर प्रकाश डाले । तत्पश्चात कल्पना छेत्री ने गीत, अरूण अधिकारी ने कविता, पूर्णिमा घिमरे ने गीत , दिपीका उपाध्याय ने गीत, कृष्णनील कार्की ने कविता, अर्जुन निराला ने कविता, माधव सुवेदी ने कविता की प्रस्तुति दी ।इसके बाद गरिमामय कार्यक्रम में विश्वनाथ के साहित्यकार व असम सरकार द्वारा साहित्यिक पेंशन प्राप्त लक्ष्मीकांत शर्मा के ष्आदिकवि भानुभक्त आचार्य के साहित्यत एभूमूकिष् असमीया पुस्तक का लोकार्पण भव्य लोकार्पण हुआ। अंत में सभा के अध्यक्ष हेमकुमार गौतम ने सभी को आभार जताते हुए आदिकवि भानुभक्त आचार्य को प्रणाम करते हुए सभी को जन्मजयंती की शुभकामनाएं दी। विश्वनाथ नगर शाखा के सचिव वेददीप उपाध्याय के धन्यवाद ज्ञापन के साथ गरिमामय सभा भंग हुई।

नर्सिंग होम में डिलीवरी के दौरान प्रसूता की मौत पर जमकर हंगामा, दी गयी तहरीर

प्रतापगढ़, लालगंज। कस्बे में स्थित नर्सिंग होम की लापरवाही के चलते प्रसूता की मौत हो गयी। वहीं नवजात शिशु का अभी आईसीयू में इलाज जारी है। जेठवारा थाना के जेठवारा बाजार निवासी श्यामबाबू सोनी की पत्नी तीस वर्षीय अनीता सोनी को शुक्रवार को प्रसव पीड़ा होने पर लालगंज स्थित मनोज नर्सिंग होम में भर्ती कराया। प्रसूता को भर्ती करने के दौरान नर्सिंग होम द्वारा चालीस हजार रूपये जमा कराया गया। पीड़ित पति का आरोप है कि रात में नर्सिंग होम के चिकित्सक ने बताया कि आपरेशन करना होगा। इसके बाद सुबह करीब साढ़े पांच बजे प्रसूता का आपरेशन किया। आपरेशन के बाद पुत्र के जन्म होने की जानकारी दी गयी। नर्सिंग होम की तरफ से प्रसूता की हालत बिगड़ने व खून की कमी होने की बात बताते हुए इलाज हेतु और पैसे की मांग की गयी। शनिवार की सुबह बताया गया कि प्रसूता की हालत बहुत खराब है। इसे इलाहाबाद ले जाकर खून चढ़वाओ नहीं तो मर जायेगी। यह कहते हुए प्रसूता को नर्सिंग होम से बाहर निकालकर जबरजस्ती वाहन मंगाकर उस पर लिटा दिया गया। पीड़ित का आरोप है कि प्रसूता की नर्सिंग होम में ही मौत हो चुकी थी। लाचार परिजन उसे लेकर ट्रामा सेंटर लालगंज पहुंचे तो यहां चिकित्सकों ने अनीता को मृत घोषित कर दिया। ट्रामा सेंटर में अनीता के मौत होने की खबर उजागर हुई तो लोगों में आक्रोश पनप उठा। नर्सिंग होम के खिलाफ लापरवाही का आरोप लगाते हुए लोग शव को नर्सिंग होम के सामने ले जाकर विरोध प्रदर्शन करने की बात करने लगे। ट्रामा सेंटर में आक्रोश के माहौल की जानकारी मिलते ही एसडीएम शैलेश वर्मा व सीओ रामसूरत सोनकर पुलिस बल के साथ पहुंच गये। लोगों को बहुत समझाया लेकिन लोग नही माने और स्ट्रेचर पर शव रखकर उसे नर्सिंग होम परिसर में ले आये। इसी बीच नर्सिंग होम में ताला बंद कर संचालक समेत लोग फरार हो चुके थे। मृतक के परिवार को काफी समझा बुझाकर पुलिस शव को कोतवाली ले आयी। घटना को लेकर मृतका के पति रामबाबू सोनी ने नर्सिंग होम व सुमित्रा यादव निवासी बाबूगंज के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है। सीओ रामसूरत सोनकर का कहना है कि तहरीर पर मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिए गये हैं। जबकि कोतवाल नीरज यादव का कहना है कि जांच की जा रही है। जांच के बाद उचित कार्यवाही की जायेगी।

संक्षिप्त

झूठा दस्तावेज तैयार कर धोखा देने के आरोप में एक गिरफ्तार

प्रतापगढ़। अंतू पुलिस ने कूटरचित दस्तावेज तैयार कर पीड़ित के नाम पर लोन लेने व धमकी देने के आरोप में आरोपी सुशील पाठक पुत्र राधेश्याम निवासी खैरा गौरबारी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। आरोपी के खिलाफ पीड़ित ने अंतू थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। एसओ जीतेन्द्र कुमार सिंह के निर्देश पर थाने के दरोगा राकेश चौरसिया की टीम ने शनिवार को जालसाझ को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया।

डीएम ने थाना समाधान दिवस में बस्ते न लाये जाने पर लेखपालों को लगायी फटकार

पैमाइस कैसे की जाती है लेखपालों से कराकर देखा

प्रतापगढ़। डीएम संजीव रंजन व एसपी डा0 अनिल कुमार ने थाना समाधान दिवस के मौके नगर कोतवाली में फरियादियों की शिकायतों को सुना। सम्बन्धित अधिकारियों को जल्द निस्तारण के निर्देश दिये। राजस्व विभाग की प्राप्त पांच शिकायतों के निस्तारण के लिए पुलिस व राजस्व विभाग की मौके पर भेजने के लिए टीम गठित की। लापरवाही बरतने पर कार्रवाई की बात भी कही। थाना समाधान दिवस पर लेखपालों द्वारा बस्ता नहीं लाये जाने पर उन्हें जमकर फटकार लगाते हुए तुरंत बस्ते लाने का हुक्म दिया। डीएम ने कुछ लेखपालों से जमीन की पैमाइस कैसे की जाती है, करके दिखाने को कहा। उनके बस्ते भी चेक किये, रिकर्ड को देखा। डीएम ने लेखपालों व अधिकारियों को सरकारी जमीनों से अवैध कब्जे मुक्त कराने का निर्देश दिया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों को शासन की मंशा के अनुरूप करने को कहे। पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार ने मातहतों से कहा कि थाने में आये फरियादियों से सम्मानपूर्वक व्यवहार करें। उनकी शिकायतों को ध्यान से सुनकर निस्तारण करायें। इस अवसर पर सदर सडीएम उदयभान सिंह, तहसीलदार आनंद कुमार समेत राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

विधायक ने पीड़ितों के घर पहुंचकर पोंछे आंसू, मदत का दिया भरोसा

प्रतापगढ़। दो दिन पूर्व आकाशीय बिजली गिरने से पट्टी विधानसभा क्षेत्र में कुछ लोगों की मौत हो गई थी। पीड़ितों की मदत के लिए पट्टी के सपा विधायक राम सिंह पटेल उनके घर पहुंचकर घटना की जानकारी ली और हर संभवत मदद का भरोसा दिया। विधायक ने डेरवा के सराय इंद्रावत निवासी समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता महेंद्र यादव के घर पहुंचकर शोकसंवेदना व्यक्त की। दो दिन पूर्व महेंद्र को सड़क दुर्घटना में मौत हो गयी थी। विधायक रामसिंह ने क्षेत्र में अन्य पीड़ितों के घर पहुंचकर उनके आंसू पोंछे और मदत का भरोसा दिया। इस मौके पर जिला महासचिव अब्दुल कादिर जिलानी, अश्वनी सोनी, सागर सलमानी आदि लोग मौजूद रहे। यह जानकारी सपा मीडिया प्रभारी अधिवक्ता वकार अहमद ने दी है।

पोल के स्टे वायर में उतरा करंट, महिला की मौत

प्रतापगढ़, कुंडा। खेत में धान की रोपाई करने गई महिला की विद्युत पोल के स्टे वायर में उतरे करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। संग्रामगढ़ थाना क्षेत्र के रमईपुर गांव निवासी अनिल कुमार सोनकर की 37 वर्षीय पत्नी विमला देवी शनिवार को खेत में धान की रोपाई करने गई थी। खेत के बगल ही लगे विद्युत पोल के स्टे वायर में करंट उतर रहा था। धान की रोपाई करते हुए पोल के पास स्टे वायर छू जाने से करंट की चपेट में आकर गिर गई। परिजन उसे सीएचसी ले गए जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। संग्रामगढ़ थाने के एसओ सत्येन्द्र भदौरिया ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

बरामदे में सो रही महिला की गला रेतकर हत्या, बगल सो रहे पति को भनक तक नहीं लगी

प्रतापगढ़, बाघराय। घर के सामने टिनशेड में सो रही महिला की शुक्रवार रात गला रेतकर हत्या कर दी गई। उसके हाथ, गले और पीठ पर भी चोट के निशान पाए गए। बगल में दूसरी चारपाई पर सो रहे पति को घटना की जानकारी सुबह हो सकी। जानकारी पर बाघराय और जेठवारा थाने की फोर्स के साथ सीओ सदर भी मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए। पति ने अज्ञात के खिलाफ हत्या की तहरीर दी है लेकिन पुलिस उसे ही थाने में रोककर पूछताछ कर रही है। बाघराय थाना क्षेत्र के हरिहरपुर छमऊ शुकुल का पुरवा निवासी रामकुमार पटेल के घर के सामने गोशाला के टिनशेड में बैठका है। वह रात को टिनशेड में सो रहे थे। 50 वर्षीय पत्नी ललिता देवी बगल में दूसरी चारपाई पर लेटी थी। उसकी सबसे छोटी बेटी पारुल घर के अंदर अकेली सो रही थी। बड़ी बेटी की शादी हो गई है। जबकि बेटा दिल्ली में रहता है। शनिवार को भोर में रामकुमार पटेल लघुशंका के लिए उठा तो बगल की चारपाई पर पत्नी का खून से लथपथ शव देखा। उसके शोर मचाने पर आसपास के लोग पहुंचे तो देखा गला रेतने के साथ ही उसके हाथ और पीठ पर भी चोट के निशान थे। चूड़ियां टूटी थीं। सूचना मिलते ही एसओ बाघराय प्रदीप कुमार, एसओ जेठवारा धर्मेंद्र सिंह सीओ सदर अमरनाथ गुप्ता घटना स्थल पहुंचे। पति ने बताया कि उसे घटना की जानकारी नहीं हो सकी। पति ने अज्ञात के खिलाफ हत्या की तहरीर दी है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस घटना की हर ऐंगल से पड़ताल कर रही है।

चाकू से हमले में घायल युवती ने इलाज के दौरान दम तोड़ा, आरोपी भेजा जा चुका है जेल

प्रतापगढ़, कुंडा। चाकू के हमले में घायल युवती ने इलाज के दौरान शनिवार सुबह दम तोड़ दिया। पुलिस ने मामले में जानलेवा हमले की रिपोर्ट दर्ज की थी। अब इसमें हत्या की धारा बढ़ाई जाएगी। नवाबगंज थाना क्षेत्र के कालाकांकर निवासी विनय कुमार की 20 वर्षीय बेटी सुष्मिता 25 जून की भोर में घर से खेत की ओर गई थी। उसे गांव के ही शनि कुमार ने चाकू से हमला कर घायल कर दिया था। अचेत मिली सुष्मिता को सीएचसी से प्रयागराज भेजा गया था। इलाज के दौरान शनिवार सुबह उसने दम तोड़ दिया। उसकी मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने पहले ही पीड़िता के बयान और उसके पिता विनय कुमार की तहरीर पर जानलेवा की रिपोर्ट दर्ज की है। एसओ धीरेन्द्र ठाकुर का कहना है कि पहले से दर्ज केस में आरोपित को जेल भेजा जा चुका है। अब उसी केस में हत्या की धारा बढ़ा दी जाएगी।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, एक गम्भीर

प्रतापगढ़, लालगंज। मैजिक डाला की टक्कर से बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत हो गयी। जबकि एक गम्भीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी होने पर परिजनों में कोहराम मच गया। बाघराय थाना के टेऊंगा निवासी रामकरन (45) पुत्र लाल प्रसाद शुक्रवार को एक रिश्तेदार के यहां वैवाहिक कार्यक्रम में लीलापुर थाना के डांडी गांव आया था। शनिवार को दोपहर करीब तीन बजे वह बाइक से डांडी पूरे रामलाल निवासी भाई लाल (46) पुत्र ननकू राम सरोज को बैठाकर सगरासुन्दरपुर बाजार गया था। यहां से वापस लौटने के दौरान पूरे बेलखरिया के पास सामने से आ रही मैजिक डाला ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे बाइक सवार दोनों गम्भीर रूप से घायल हो गये।

संक्षिप्त समाचार

निर्वाचक अपने विवेक के आधार पर निर्णय ले सकते हैं : बाइडन

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि उनके निर्वाचक राष्ट्रपति चुनाव में उन्हें उम्मीदवार बनाए रखने या हटाने का निर्णय अपने विवेक के आधार पर ले सकते हैं क्योंकि पार्टी के नियमों के अनुसार वे ऐसा कर सकते हैं। हालांकि, पिछले कुछ उदाहरणों और उम्मीदवार की चयन प्रक्रिया को

देखते हुए संभावना है कि अधिकांश निर्वाचक उनकी उम्मीदवारी का समर्थन करेंगे। बाइडन ने नाटो सम्मेलन से इतर संवाददाता सम्मेलन में कहा कि निर्वाचक डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन में किसी दूसरे व्यक्ति को उम्मीदवार बनाने समेत "जो चाहें वह करने के लिए आजाद हैं।" कुछ ही देर बाद उन्होंने माइक्रोफोन में फुसफुसाते हुए कहा, "ऐसा नहीं होने वाला।" बाइडन की उम्र और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उन्हें आगामी राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी का उम्मीदवार बनाए जाने को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इस चुनाव में उनका मुकाबला रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से होगा।

अर्जेंटीना ने हमास को आतंकी समूह घोषित किया, वित्तीय संपत्तियां जब्त करने का आदेश भी दिया

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना ने शुक्रवार को हमास को आतंकी समूह घोषित किया और इस फलस्तीनी समूह की वित्तीय संपत्तियां जब्त करने का आदेश दिया। राष्ट्रपति जेवियर माइली अर्जेंटीना

को अमेरिका और इजराइल के साथ मजबूती से जोड़ना चाहते हैं। उस दिशा में इसे बहुत हद तक एक सांकेतिक कदम माना जा रहा है। माइली के कार्यालय ने पिछले सात अक्टूबर को इजराइल में फलस्तीनी समूह द्वारा किये गये हमले का हवाला देते हुए यह घोषणा की। यह हमला इजराइल के 76 साल के इतिहास में सबसे घातक हमलों में से एक था। बयान में, हमास से ईरान के घनिष्ठ संबंधों का भी उल्लेख किया गया है, जिसेअर्जेंटीना देश में यहूदी स्थलों पर दो घातक आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार ठहरा रहा है।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पारदर्शिता का पालन नहीं कर रहा, 'ब्लू टिक' भ्रामक : ईयू

लंदन। यूरोपीय संघ (ईयू) ने शुक्रवार को कहा कि एलन मस्क की कंपनी 'एक्स' के 'ब्लू टिक' मार्क भ्रामक हैं और कंपनी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पारदर्शिता और जवाबदेही के मानदंड को पूरा नहीं कर रही है। यूरोपीय संघ के नए सोशल मीडिया नियमन के प्रभावी होने के बाद से यह किसी प्रौद्योगिकी कंपनी के खिलाफ पहला आरोप है। यूरोपीय आयोग ने 27 देशों के समूह के डिजिटल सेवा अधिनियम के तहत एक्स (जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था) को लेकर अपनी जांच से प्रारंभिक निष्कर्षों को रेखांकित किया। डीएसए नामक नियम पुस्तिका नियमों का एक व्यापक संकलन है, जिसके तहत प्लेटफॉर्म को उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा और अपनी साइट को

सुरक्षित करने के लिए अधिक जिम्मेदारी लेने की आवश्यकता होती है। नियमों का पालन नहीं करने पर भारी जुर्माने का भी प्रावधान है। विनियामकों ने 'एक्स' के 'ब्लू टिक' को लेकर निशाना साधते हुए कहा कि वे ''डार्क पैटर्न'' का गठन करते हैं जो उद्योग के सर्वोत्तम तौर तरीकों के अनुरूप नहीं हैं और दुर्भावनापूर्ण तत्वों द्वारा उपयोगकर्ताओं को धोखा देने के लिए उपयोग किया जा सकता है। वर्ष 2022 में मस्क द्वारा 'एक्स' को खरीदने के बाद, इसने आठ डॉलर प्रति माह का भुगतान करने वाले किसी भी व्यक्ति को सत्यापन चिह्न जारी करना शुरू किया। मस्क द्वारा 'एक्स' की खरीद से पहले, वे सोशल मीडिया पर आम तौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले सत्यापन बैज की तरह ही थे और बड़े पैमाने पर मशहूर हस्तियों, राजनेताओं और अन्य प्रभावशाली अकाउंट के लिए आरक्षित थे। यूरोपीय आयुक्त थिएरी ब्रेटन ने एक बयान में कहा, ''पहले ब्लू टिक का मतलब सूचना के भरोसेमंद स्रोत के रूप में देखा जाता था। अब एक्स को लेकर हमारा प्रारंभिक दृष्टिकोण यह है कि वे उपयोगकर्ताओं को धोखा देते हैं और डीएसए का उल्लंघन करते हैं।'' यूरोपीय आयोग ने 'एक्स' पर विज्ञापन पारदर्शिता के मानदंडों का पालन न करने का भी आरोप लगाया। डीएसए के तहत प्लेटफॉर्म को अपने द्वारा प्रसारित सभी डिजिटल विज्ञापनों का डेटाबेस प्रकाशित करना होगा, जिसमें यह विवरण शामिल होगा कि उनके लिए किसने भुगतान किया और लक्षित दर्शक कौन हैं। आयोग ने कहा कि 'एक्स' के विज्ञापन डेटाबेस में ''डिजाइन विशेषताएं और पहुंच संबंधी बाधाएं'' हैं जो इसे ''पारदर्शिता उद्देश्य के लिए अनुपयुक्त'' बनाती हैं।

नेपाल की राजनीति में हो रहा तांडव! कमल दहल 'प्रचंड' ने संसद में खो दिया विश्वास मत

इस्तीफे के बाद ओली ने प्रधानमंत्री बनने का दावा किया

काठमांडू। नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी–लेनिनवादी) के नेता केपी शर्मा ओली ने फिर से नेपाल के प्रधानमंत्री बनने का दावा किया है, क्योंकि मौजूदा प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल श्प्रचंडश संसद में विश्वास मत हारने के बाद पद से हट गए हैं। यह हिमालयी राष्ट्र में राजनीतिक अस्थिरता के बीच उनका पांचवां विश्वास मत है। ओली ने शुक्रवार को राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल के समक्ष नई बहुमत वाली सरकार का नेतृत्व करने का दावा किया। ओली को 165 सांसदों का समर्थन प्राप्त था, जिसमें उनकी पार्टी के 77 और नेपाली कांग्रेस के 88 सांसद शामिल थे। हालांकि, जनता समाजवादी पार्टी (जेएसपी), जेएसपी–नेपाल, लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी, जनमत पार्टी और नागरिक मुक्ति पार्टी समेत अन्य पार्टियां कांग्रेस–यूएमएल गठबंधन सरकार के पक्ष में हैं, लेकिन ओली के दावे में केवल उनकी पार्टी और एनसी का समर्थन दिखाया गया है। नेपाली कांग्रेस के मुख्य सचेतक रमेश लेखक ने कहा, ''हमने राष्ट्रपति के समक्ष नई सरकार के लिए दावा पेश किया है। अब यह तय करना उनके ऊपर है कि नियुक्ति कब की जाए।'' ओली के अब नेपाली कांग्रेस के समर्थन से

तीसरी बार नेपाली प्रधानमंत्री बनने की उम्मीद है, इससे पहले वे 2015–2016 और 2018–2021 तक इस पद पर रह चुके हैं। नेपाल के प्रतिनिधि सभा में एनसी के पास 89 सीटें हैं, जबकि सीपीएन–यूएमएल के पास 78 हैं। उनकी संयुक्त ताकत 167 है, जो निचले सदन में बहुमत के लिए आवश्यक 138 से कहीं ज़्यादा है। दूसरी ओर, प्रचंड के नेतृत्व वाली सीपीएन–माओवादी केंद्र के पास सदन में केवल 32 सीटें थीं। एनसी नेता शेर बहादुर देउबा ने सोमवार को दोनों दलों के बीच हुए 7–सूत्री समझौते के अनुसार ओली को अगले प्रधानमंत्री के रूप में समर्थन दिया है।

प्रचंड ने विश्वास मत खो दिया

'प्रचंड' ने शुक्रवार को संसद में विश्वास मत खो दिया, जिसकी व्यापक रूप से उम्मीद थी, जिसके कारण उन्हें अपने 19 महीने के कार्यकाल में इस्तीफा देना पड़ा और छब्–न्डस्र गठबंधन सरकार के लिए रास्ता साफ हुआ। ओली के नेतृत्व वाली पार्टी द्वारा उनकी सरकार से समर्थन वापस लेने और नेपाली कांग्रेस के साथ देर रात गठबंधन समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद प्रचंड ने पांचवें विश्वास मत का आह्वान किया। 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में प्रचंड को केवल 63 वोट मिले, जबकि विश्वास मत हासिल करने के लिए उन्हें 138 वोटों की आवश्यकता थी। संसद में दहल के विश्वास प्रस्ताव के खिलाफ 194 वोट पड़े, क्योंकि कई दलों ने अपने सांसदों को विश्वास प्रस्ताव के खिलाफ खड़े होने के लिए व्हिप जारी किया था। 69 वर्षीय नेता दिसंबर 2022 में प्रधानमंत्री बनने के बाद से एक अस्थिर शासन वाले गठबंधन का नेतृत्व कर रहे थे, जिसमें उनकी पार्टी तीसरे स्थान पर रही थी, लेकिन वह एक नया गठबंधन बनाने में सफल रहे और प्रधानमंत्री बन गए। उन्हें अपनी गठबंधन शक्तियों के भीतर मतभेदों के कारण संसद में चार बार विश्वास मत हासिल करना पड़ा। लगातार विश्वास मतों में प्रचंड का समर्थन उल्लेखनीय रूप से कम हुआ है। प्रचंड की समस्याएँ तब और बढ़ गईं जब नेपाली कांग्रेस और सीपीएन–यूएमएल ने नेपाल में एक नई 'राष्ट्रीय सर्वसम्मति सरकार' बनाने के लिए आधी रात को गठबंधन समझौता किया, जिसका उद्देश्य प्रचंड को सत्ता से बेदखल करना था। ओली और नेपाली कांग्रेस के नेता शेर बहादुर देउबा ने दोनों दलों के बीच संभावित नए राजनीतिक गठबंधन की ज़मीन तैयार करने के लिए मुलाक़ात की, जिसके बाद ओली की सीपीएन–यूएमएल ने प्रचंड के नेतृत्व वाली सरकार को समर्थन देने के बमुश्किल चार महीने बाद ही उससे अपना नाता तोड़ लिया। समझौते के तहत, ओली डेढ़ साल के लिए एक नई श्राष्ट्रीय सर्वसम्मति सरकारश का नेतृत्व करेंगे। देउबा अगले चुनाव तक शेष कार्यकाल के लिए प्रधानमंत्री होंगे। ओली के कार्यकाल में, सीपीएन–यूएमएल प्रधानमंत्री पद और वित्त मंत्रालय सहित मंत्रालयों का नियंत्रण संभालेगी। इसी तरह, नेपाली कांग्रेस गृह मंत्रालय सहित दस मंत्रालयों की देखरेख करेगी।

ओली के कार्यकाल का भारत के लिए क्या मतलब है?

ओली अपने बीजिंग समर्थक रुख के लिए जाने जाते हैं और उन्होंने 2019 में एक बड़ा दावा किया था कि लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा के क्षेत्र नेपाली क्षेत्र का हिस्सा हैं, जिससे भारत के साथ एक बड़ा विवाद पैदा हो गया था। नेपाल की संसद के ऊपरी सदन ने मई 2020 में सर्वसम्मति से संविधान संशोधन विधेयक पारित किया, जिसमें देश के नए राजनीतिक मानचित्र को उसके राष्ट्रीय प्रतीक में शामिल किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा मई 2020 में उत्तराखंड में लिपुलेख दर्रे को धारचूला से जोड़ने वाली 80 किलोमीटर लंबी रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सड़क का उद्घाटन करने के बाद भारत–नेपाल द्विपक्षीय संबंधों में तनाव आ गया था। नेपाल ने सड़क के उद्घाटन पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए दावा किया कि यह नेपाली क्षेत्र से होकर गुजरती है। भारत ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि सड़क पूरी तरह से उसके क्षेत्र में है। भारत ने नेपाल से सख्त लहजे में कहा है कि वह क्षेत्रीय दावों के किसी भी ष्कृत्रिम विस्तारष का सहारा न ले। तीखे सीमा विवाद के कारण रुके हुए द्विपक्षीय आदान–प्रदान को 2020 के उत्तरार्ध में उच्च–स्तरीय यात्राओं की एक श्रृंखला के साथ फिर से शुरू किया गया, क्योंकि नई दिल्ली ने इस बात पर जोर दिया कि वह खुद को हिमालयी राष्ट्र के ष्सबसे बड़े दोस्तष और विकास भागीदार के रूप में देखता है। इसकी शुरुआत नवंबर 2020 में पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला की पहली यात्रा से हुई, जहाँ उन्होंने नेपाल के पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली से मुलाकात की।

उत्तरी नाइजीरिया में स्कूल ढहने से 22 छात्रों की मौत

उत्तर–मध्य नाइजीरिया में शुक्रवार को दो मंजिला स्कूल के ढहने से 22 छात्रों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्लैटो राज्य के बूसा बुजी में स्थित 'सेंट्स एकेडमी कॉलेज' की इमारत उस वक्त ढह गई जब बच्चे सुबह पढ़ाई करने के लिए पहुंचे थे। इन बच्चों में अधिकतर की उम्र 15 वर्ष या उसे कम थी। प्लैटो पुलिस के प्रवक्ता अल्फ्रेड अलाबो ने बताया कि इमारत

ढहने से मलबे में कुल 154 छात्र फंस गए थे जिनमें से 132 को बाहर निकाल लिया गया और उन्हें विभिन्न अस्पतालों में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। इस हादसे में 22 छात्रों की मौत हो गई। नाइजीरिया की राष्ट्रीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी ने कहा कि इमारत ढहने के बाद बचाव और स्वास्थ्य कर्मियों के साथ–साथ सुरक्षा बलों को भी घटनास्थल पर तत्काल तैनात किया गया। प्लैटो राज्य के सूचना आयुक्त मूसा अशोम्स की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, ''घायलों को अविलंब चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित कराने के लिए सरकार ने अस्पतालों से कहा है कि वे भुगतान की चिंता न करें और मरीजों के विवरण संबंधी कागजात तैयार करने में वक्त बर्बाद नहीं करें बल्कि घायलों का तत्काल उपचार करें। राज्य सरकार ने इस त्रासदी के लिए स्कूल की जर्जर हालत और इसके नदी के किनारे स्थित होने जैसे कारणों को जिम्मेदार ठहराया। सरकार ने कहा है कि ऐसे सभी स्कूल बंद किए जाए जिनकी हालत खस्ता है।

पाकिस्तान ने IMF के साथ सात अरब डॉलर के नए ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए

इस्लामाबाद। नकदी की कमी से जूझ रहे पाकिस्तान और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने सात अरब डॉलर के नए ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। पाकिस्तान को तीन साल की अवधि वाले इस ऋण पैकेज से जटिल आर्थिक समस्याओं से

निपटने में मदद मिलेगी। आईएमएफ ने एक बयान में कहा कि 2023 स्टैंड–बाय अरेंजमेंट (एसबीए) के तहत हासिल की गई आर्थिक स्थिरता को आगे बढ़ाते हुए आईएमएफ कर्मचारी और पाकिस्तानी अधिकारी एक कर्मचारी स्तरीय समझौते पर पहुंच गए हैं। इसके तहत लगभग सात अरब डॉलर की विस्तारित फंड सुविधा व्यवस्था (ईएफएफ) पर सहमति बनी है। एसबीए एक छोटी अवधि का ऋण है, जो आईएमएफ भुगतान संकट का सामना कर रहे अपने सदस्य देशों को देता है। वाशिंगटन स्थित ऋणदाता ने आगे कहा कि नए कार्यक्रम का उद्देश्य नकदी की कमी से जूझ रहे देश में व्यापक आर्थिक स्थिरता को मजबूत करना और अधिक समावेशी और लचीले विकास को बढ़ावा देना है।

पाकिस्तान में फिर से आने वाला है इमरान खान का राज ? कोर्ट ने PTI को लेकर क्या नया फैसला दे दिया

पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को फैसला सुनाया कि इमरान खान की पार्टी संसद में महिलाओं और अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षित 20 से अधिक सीटों के लिए पात्र है, जो जेल में बंद पूर्व प्रधान मंत्री के लिए एक बड़ी कानूनी जीत है, जिन्होंने चुनाव आयोग प्रमुख के इस्तीफे की मांग की थी। खान की पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) पार्टी द्वारा समर्थित उम्मीदवार, जिन्होंने अपनी पार्टी से चुनाव चिन्ह छीन लिए जाने के बाद 8 फरवरी को स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ा और जीता था, सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) में शामिल हो गए, जो एक राजनीतिक गठबंधन है। पाकिस्तान में इस्लामी राजनीतिक और बरेलवी धार्मिक पार्टियाँ, सुविधा का गठबंधन बनाने के लिए। एसआईसी ने विधानसभाओं में आरक्षित सीटों

में अपना हिस्सा देने से इनकार करने के पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) के कदम को बरकरार रखने के पेशावर उच्च न्यायालय (पीएचसी) के फैसले को चुनौती देते हुए एक याचिका दायर की थी। मुख्य न्यायाधीश काजी फ़ैज़ ईसा की अध्यक्षता वाली 13 सदस्यीय पूर्ण पीठ ने मामले की सुनवाई की। बहुप्रतीक्षित मामले में फैसले को प्रधान मंत्री शहबाज शरीफ के सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए एक बड़े झटके के रूप में देखा जा रहा है, हालांकि संघीय सरकार के लिए तत्काल कोई खतरा नहीं है। मुख्य न्यायाधीश ईसा ने मंगलवार को कार्यवाही के बाद घोषणा की थी कि पैनल ने आपसी परामर्श के लिए फैसला सुरक्षित रखने का फैसला किया है, जिसकी घोषणा उन्होंने शुक्रवार को की। आठ न्यायाधीशों के बहुमत ने शीर्ष चुनाव निकाय के आदेशों और पेशावर उच्च न्यायालय के फैसले को पलटकर एसआईसी के पक्ष में फैसला सुनाया। फैसले की घोषणा न्यायमूर्ति मंसूर अली शाह ने की।फैसले के अनुसार, पाकिस्तान के चुनाव आयोग के 1 मार्च 2024 के आदेश को संविधान की शक्तियों से परे, कानूनी अधिकार के बिना और बिना किसी कानूनी प्रभाव वाला घोषित किया जाता है। अदालत यह घोषित करने के लिए आगे बढ़ी कि चुनाव चिह्न की कमी या इनकार किसी भी तरह से किसी राजनीतिक दल के चुनाव में भाग लेने (चाहे सामान्य हो या द्वारा) और उम्मीदवारों को मैदान में उतारने के संवैधानिक और कानूनी अधिकारों को प्रभावित नहीं करता है और आयोग इसके अधीन है'' तदनुसार कार्य करना और सभी वैधानिक प्रावधानों को लागू करना एक संवैधानिक कर्तव्य है।

हमें हल्के में न लिया जाए, अमेरिकी राजदूत ने दी धमकी

एनएसए डोभाल ने सीधा सुरक्षा सलाहकार को घुमाया फोन और फिर...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूस दौरे और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के कुछ दिनों बाद राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने शुक्रवार को अमेरिकी एनएसए जेक सुलिवन से बात की। विदेश मंत्रालय के अनुसार, उन्होंने द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय चिंता के व्यापक मुद्दों

और जुलाई 2024 और बाद में वर्ष में होने वाले क्वाड ढांचे के तहत आगामी उच्च स्तरीय कार्यक्रमों पर चर्चा की। इसमें कहा गया है कि एनएसए भारत–अमेरिका संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए, जो साझा मूल्यों और सामान्य रणनीतिक और सुरक्षा हितों पर बने हैं। एमईए के बयान में कहा गया कि उन्होंने शांति और सुरक्षा के लिए वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने और व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी का विस्तार करने के लिए सामूहिक रूप से काम करने की आवश्यकता दोहराई। उनकी बातचीत पिछले महीने डोभाल के साथ द्विपक्षीय वार्ता के लिए सुलिवन की दिल्ली यात्रा के एक महीने से भी कम समय बाद हुई है, जब उन्होंने पीएम मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर से भी मुलाकात की थी। 10 जुलाई को पीएम मोदी की समाप्त हुई रूस यात्रा के मद्देनजर, अमेरिकी विदेश विभाग ने लगातार दूसरे दिन, रूस के साथ भारत के संबंधों के बारे में चिंताएं व्यक्त की थीं। यह कहते हुए कि वह भारत को इन चिंताओं को व्यक्त करना जारी रख रहा है। अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने कहा था कि श्भारत–अमेरिका संबंध पहले से कहीं अधिक व्यापक और गहरे हैं, लेकिन ये इतने गहरे भी नहीं हैं कि इन्हें हल्के में लिया जाए। प्रधानमंत्री की रूस यात्रा ऐसे समय हुई थी जब वाशिंगटन अपनी 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर नाटो नेताओं के शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा था।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।